दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप, दोषी बचने नहीं चाहिए : PM मोदी

महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन को किया संबोधित

धीरज सिंह । जलगांव/मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन के दौरान 11 लाख लखपति दीदियों को प्रमाण पत्र सौंपा। इस दौरान पीएम मोदी ने बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं पर अत्याचार करने वाला कोई भी हो बचना नहीं चाहिए। सभी दोषियों का हिसाब होना ही चाहिए। पीएम मोदी की यह टिप्पणी बदलापुर में एक स्कूल में दो बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न पर व्यापक आक्रोश के बीच आई है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'आज मैं एक बार फिर देश के हर राजनीतिक दल से कहूंगा और राज्य सरकार से कहूंगा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप है। दोषी कोई भी हो, वो बचना नहीं चाहिए। उसको किसी भी रूप में मदद करने वाले बचने नहीं चाहिए। अस्पताल हो, स्कूल हो, दफ्तर हो या फिर पुलिस व्यवस्था जिस भी स्तर पर लापरवाही होती है सबका हिसाब होना चाहिए। महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा देने के लिए हमारी सरकार कानूनों को भी लगातार सख्त कर रही है।'

दो महीने में 11 लाख महिलाएं बनी लखपति दीदी

जलगांव में लखपति दीदी सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'लखपति दीदी बनाने का ये अभियान, सिर्फ बहनों-बेटियों की कमाई बढ़ाने का ही अभियान नहीं है। ये पूरे परिवार को, आने वाली पीढ़ियों को सशक्त कर रही है। ये गांव के पूरे अर्थतंत्र को बदल रही हैंआज यहां से देशभर के लाखों सखी मंडलों के लिए 6 हजार करोड़ से अधिक की राशि जारी की गई है।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'लोकसभा चुनाव के दौरान जब मैं आपके पास आया था, तो मैंने वादा किया था कि हमें 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाना है। इसका मतलब है कि जो महिलाएं स्वयं सहायता समूहों में काम करती हैं और उनकी सालाना आय एक लाख रुपए से अधिक है। पिछले 10 साल में एक करोड़ लखपति दीदी बनीं और सिर्फ दो महीने में 11 लाख और लखपति दीदी उसमें जुड़ गईं।"

गरीबों के लिए 3 करोड़ घर बनाएंगे : पीएम

उन्होंने आगे कहा, 'आज सवा लाख से अधिक बैंक सखियां, गांव-गांव बैंकिंग सेवाएं दे रही हैं। अब हम बहनों को ड्रोन पायलट भी बना रहे हैं ताकि वे ड्रोन से आधुनिक खेती करने में किसानों की मदद कर पाएं। आधुनिक खेती और प्राकृतिक खेती के लिए हम नारीशक्ति को नेतृत्व दे रहे हैं, इसके लिए हमने कृषि सखी कार्यक्रम शुरू किया है। ये हमारी सरकार ने तय किया कि जो गरीबों के घर सरकार बनाती है तो वो महिलाओं के नाम पर रजिस्टर्ड हों। अभी तक जो 4 करोड़ घर बने हैं, वो अधिकतर महिलाओं के नाम पर हैं। अभी हम 3 करोड़ और घर बनाने वाले हैं, इनमें से भी अधिकतर घर हमारे माताओं-बहनों के नाम पर ही होंगे।'

मोदी सरकार जितना काम किसी ने नहीं किया- PM

प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा, 'मैं आज चुनौती देता हूं- पहले की सरकारों के सात दशक एक तरफ रख लीजिए और

दूसरे तराजू में मोदी सरकार के 10 साल रख लीजिए जितना काम मोदी सरकार ने देश के बहन-बेटियों के लिया किया है, वो आजादी के बाद किसी सरकार ने नहीं किया है।' पीएम मोदी ने कहा, 'हमें महाराष्ट्र का विकास करके, महाराष्ट्र का नाम पूरी दुनिया में और ऊंचा करते रहना है। महाराष्ट्र के संस्कारों को यहां के वीर और धीर माताओं ने सृजित किया है। यहां की मातृशक्ति ने पूरे देश को प्रेरित किया है।'

न्यूज़ ब्रीफ

तमिलनाडु की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, दो लोगों की गई जान

चेन्नई। तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है जहां रविवार को नाथम की एक पटाखा बनाने वाली फैक्टरी में विस्फोट हो गया। इस हादसे में दो लोगों की जान जाने की खबर सामने आ रही है। स्थानिय पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना नाथम के पास हुई। घटना के बाद से फैक्टरी का मालिक फरार है। इसके साथ ही पुलिस ने बताया कि अभी तक इस घटना में मारे गए दोनों लोगों की पहचान नहीं हो पाई है और विस्फोट के पीछे का सही कारण भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। मिली जानकारी के अनुसार पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मारे गए दोनों लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए डिंडीगुल सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। हादसे के बाद नाथम पुलिस के एसएचओ ने मामला दर्ज करते हुए बताया कि पुलिस सेल्वम का पता लगा रही है और पता लगा रही है कि उसके पास पटाखा फैक्ट्री चलाने का उचित लाइसेंस है या नहीं।

मेरी जान को खतरा, फिर भी कह रहा हूं : हिमंत बिस्वा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाओं को जमीन हड़पने और असमिया लोगों की पहचान को खतरे में डालने की मंशा से अंजाम दिया गया है। उन्होंने अपराधों के पीछे राजनीतिक संरक्षण का संकेत दिया। सरमा ने शनिवार को कहा, 'इस तरह के अपराधों के जरिये जमीन हड़पने की साजिश रची जा रही है। धींग में पीड़िता के परिवार ने मुझसे कहा कि वे अब वहां नहीं रहना चाहते।' गौरतलब है कि धींग इलाके में ट्यूशन से घर लौट रही नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। सरमा ने दावा किया, 'पैटर्न के तहत पहले एक या दो व्यक्ति गांव में आते हैं। घर बनाते हैं, फिर वे अपने घरों में गोमांस खाना शुरू कर देते हैं। पड़ोसी, इससे असहज होकर क्षेत्र छोड़ना शुरू कर देते हैं। यह बारपेटा, मंगलदाई और अन्य स्थानों पर हो रहा है। किसी दिन मेरी जान को खतरा हो सकता है, लेकिन मैं यह कह रहा हूं, क्योंकि यह मेरा कर्तव्य है।'

रेप एंड मर्डर केस : आरोपी संजय राय के पॉलिग्राफी टेस्ट में बड़ा खुलासा

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुए दुष्कर्म मामले के मुख्य आरोपी संजय रॉय का रविवार को प्रेसीडेंसी जेल में पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया। इसके साथ ही साल्ट लेक के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय में कुछ अन्य लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट चल रहा है। संजय रॉय का पॉलीग्राफ टेस्ट दोपहर 12:30 से 3:00 बजे तक किया गया। विशेषज्ञ डॉक्टरों और विभिन्न उपकरणों से लंबी पूछताछ के बाद सीबीआई के अधिकारी प्रेसीडेंसी जेल से बाहर आ गए हैं, लेकिन खुलासा होना बाकी

महाराष्ट्र में भी लागू होगी यूनिफाइड पेंशन स्कीम

शिंदे कैबिनेट ने दी मंजूरी

दोपहर संवाददाता ◆ मुंबई

केंद्र सरकार के बाद अब महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने भी यूनिफाइड पेंशन स्कीम को मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि मोदी कैबिनेट ने रविवार को केंद्रीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) की घोषणा की थी, जिसके तहत सभी कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन देने का प्रावधान था। अब महाराष्ट्र में भी इसे लागू किया जाएगा, जिसका लाभ राज्य के सरकारी कर्मचारी उठा सकेंगे। जानकारी के अनुसार रविवार को महाराष्ट्र कैबिनेट ने एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दे दी है, जिसे कल केंद्रीय कैबिनेट ने पारित किया था।

क्या है यूनिफाइड पेंशन स्कीम?

नई पेंशन स्कीम में लंबे समय से की जा रही सुधार की मांग के बाद केंद्र ने शनिवार को यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा की। इसके तहत कर्मचारियों को सुनिश्चित पेंशन, पारिवारिक पेंशन और न्यूनतम पेंशन की गारंटी दी गई है। योजना 1 अप्रैल, 2025 से लागू की जाएगी। यूनिफाइड पेंशन स्कीम में 25 वर्ष या उससे अधिक की सेवा करने वाले कर्मचारी को उसके अंतिम कार्य-वर्ष के 12 महीनों के औसत मूल वेतन की 50 प्रतिशत राशि बतौर पेंशन दी जाएगी। वहीं 10 से 25 वर्षों के बीच सेवा काल वाले कर्मचारियों को समानुपातिक आवंटन के आधार पर पेंशन की राशि दी जाएगी।

दिल्ली में AAP को लगा बड़ा झटका

5 पार्षद बीजेपी में हुए शामिल

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली में आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। AAP के 5 पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इस दौरान दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी मौजूद रहे। बता दें कि दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। विधासनभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के लिए यह बड़ा झटका माना जा रहा है।

ये पार्षद बीजेपी में हुए शामिल

दिल्ली में रविवार को आम आदमी पार्टी के 5 पार्षद बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इनमें वार्ड-178 से पार्षद सुगंधा बिधूड़ी, वार्ड- 30 से पवन सहरावत, वार्ड- 28 से राम चंद्र, वार्ड-177 से ममता पवन और वार्ड-180 से मंजू निर्मल शामिल हैं। दरअसल, बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में आप के 5 पार्षदों ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की है। इस दौरान बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि आप पार्टी के भ्रष्टाचार और काम नहीं करने की नीयत से आजिज होकर 5 पार्षदों ने आज बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की है।

कर्जत-जामखेड में होगी पवार बनाम पवार जंग

रोहित को चुनौती देंगे जय

दोपहर संवाददाता । रायगड

महाराष्ट्र में शिवसेना में एकनाथ शिंदे तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में अजीत पवार के नेतृत्व में हुई बगावत के बाद दो-दो गुटों में बंटी इन दोनों पार्टियों के लोग एक दूसरे के बैरी बन गए हैं। इसका असर खासकर लोकसभा चुनाव के दौरान पवार परिवार के गढ़ बारामती में देखने को मिला था। अब अपनों के खिलाफ जंग का सिलसिला विधानसभा चुनाव के दौरान भी जारी रहेगा। लेकिन इसका दायरा और व्यापक होने की आशंका बढ़ गई है। इसी आशंका के कारण अजीत पवार ने भले ही बारामती से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है लेकिन उनके जय पवार, कर्जत जामखेड विधानसभा क्षेत्र से अपने चचेरे भाई रोहित पवार के खिलाफ ताल ठोक सकते हैं।

रोहित ने दिए जय की उम्मीदवारी के संकेत

सूत्रों के अनुसार इस बार विधानसभा चुनाव में भी शिवसेना (शिंदे गुट) बनाम शिवसेना (उद्धव गुट) तो वहीं एनसीपी (अजीत पवार) बनाम एनसीपी शरदचंद्र मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस बीच एनसीपी शरदचंद्र पवार के विधायक रोहित पवार ने अपने निर्वाचन क्षेत्र से अजीत गुट से जय पवार की उम्मीदवारी की आशंका व्यक्त की है। असल में, जामखेड कर्जत निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रोहित पवार की पहल पर पटेगांव में रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में तीस हजार से अधिक बहनें (महिलाएं) शामिल हुईं। इस मौके पर बोलते हुए रोहित ने जय की उम्मीदवारी के संकेत दिए।

रोहित पवार ने क्या कहा?

रोहित ने अपने भाषण में कहा कि आगामी विधानसभा में इस क्षेत्र में मेरे खिलाफ एक बड़ी ताकत आने वाली है। लोग सीधे दिल्ली से मेरे खिलाफ (रोहित पवार बनाम जय पवार) प्रचार करने आएंगे। तो क्या तुम मेरे साथ रहोगे? यह सवाल भी पवार ने मौजूद महिलाओं से पूछा। चुनाव के दौरान विपक्षी दल आपको शराब और पांच सौ रुपए देते हैं। लेकिन, अगर पांच सौ रुपए का मतलब दस पैसे प्रति माह होगा तो विकास कैसे होगा? उन्होंने भी ऐसा सवाल पूछा है। रोहित ने महिलाओं से साथ देने की अपील की।

पंजाब भी बन जाता बांग्लादेश...

किसान आंदोलन पर कंगना रनौत का विवादित बयान, कांग्रेस भड़की

एजेंसी । नई दिल्ली

बॉलीवुड क्वीन और मंडी सांसद कंगना रनौत अपनी विवादित टिप्पणियों के लिए फेमस हैं। एक बार फिर उन्होंने किसान आंदोलन को लेकर टिप्पणी की है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि अगर हमारा शीर्ष मजबूत नहीं रहता तो किसान आंदलोन के दौरान पंजाब को बांग्लादेश बनने में समय नहीं लगता। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि आंदोलन के नाम पर हिंसा की जा रही है थी। एक बार फिर हत्याओं का खेल शुरू हो चुका था। कंगना रनौत इससे पहले भी कई बार किसान आंदोलने को लेकर विवादित बयान दे चुकी हैं।

पंजाब भाजपा ने पल्ला झाड़ा

कंगना रनौत ने एक बार फिर आंदलोन की आलोचना करते हुए कहा कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे। वहां हत्याएं हो रही थीं, केंद्र सरकार ने किसान बिल को वापस ले लिया नहीं तो इन उपद्रवियों की बहुत लंबी योजना थी। वे देश में कुछ भी कर सकते थे। हालांकि पंजाब भाजपा की ओर से कंगना रनौत के इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता हरजीत ग्रेवाल ने कहा कि ये कंगना का निजी बयान है, इसका पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है।

पंजाब के बाद जम्मू-कश्मीर में भी अपना लक आजमाएंगी 'आप'

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधान सभा चुनाव की तैयारी में सारी पार्टियां जुट गई है। इसी क्रम में आम आदमी पार्टी ने अपने 7 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहली बार चुनाव होने जा रहे है। ऐसे में सभी पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। AAP द्वारा जारी की गई सूची में पुलवामा, देवसर, राजपोरा, दोरु, डोडा,

डोडा वेस्ट और बनिहाल से उम्मीदवार उतारे गए हैं। पार्टी ने पुलवामा से फयाज अहमद सोफी, राजपोरा से मुद्दसिर हसन,देवसर से शेख फ़िदा हुसैन, दोरू से मोहसिन शफकत मीर, डोडा से मेहराज दीन मलिक, डोडा वेस्ट से यासिर शफी मट्टो और बनिहाल से मुदस्सिर अजमत मीर को मैदान में उतारने की घोषणा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर में तीन फेज में चुनाव होना है। पहला फेज मतदान 18 सितंबर को होगा। वहीं दूसरा फेज 25 सितंबर और तीसरा फेज 1अक्टूबर को होना है। जिसके नतीजे 4 अक्टूबर को घोषित किया जाएगा।

मुंबई में स्थापित होगी गुजरात के मूर्तिकार की बनाई मूर्ति

▸▸ गणपति में श्रीराम की होगी झलक

एजेंसी । वडोदरा

गणेश चतुर्थी का त्योहार हर साल भाद्रपद माह की चतुर्थी के दिन मनाया जाता है। इस दिन गणपति बप्पा का जन्मदिन है। लगातार 10 दिनों तक चलने वाले इस त्योहार का सभी को बेसब्री से इंतजार रहता है। जिसके चलते थंगनाट अब मूर्तिपूजकों के बीच नजर आने लगे हैं। वडोदरा शहर में रहने वाले एक मूर्तिकार ने इस साल अलग-अलग थीम पर गणेश प्रतिमाएं तैयार की हैं। कलानगरी वडोदरा में रहने वाले युवा मूर्तिकार दक्षेश जांगिड़ ने गणेश चतुर्थी पर विभिन्न आकृतियों की गणेश प्रतिमाएं बनाई हैं। इस वर्ष मूर्तिकार दक्षेश जांगिड़ ने संपूर्ण रामायण कथा पर आधारित भगवान गणेश की 6 इंच से 5 फीट तक की मिट्टी की मूर्तियां तैयार की हैं। इस मूर्ति की खास बात यह है कि मूर्तिकार ने इसमें राम के जन्म से लेकर रावण की मृत्यु तक रामायण कथा के सभी पात्रों को शामिल किया है।

कैसी होनी चाहिए गणपति की मूर्ति?

इसके अलावा, मूर्ति में बाबरी विध्वंस के बाद से नए राम मंदिर की प्रतिकृति और श्री राम की एक नई मूर्ति भी शामिल की गई है। मिट्टी की इस मूर्ति को बनाने में मूर्तिकार को कुल 32 दिन लगे। पूरी प्रतिमा लघु रूप में है। प्रतिमा वाघोडिया रोड पर स्वामीनारायण रेजीडेंसी में स्थापित की जाएगी।

राम मंदिर के थीम पर बनी है श्री जी की प्रतिमा

राम मंदिर की थीम पर बनी श्रीजी की 7 परतों वाली 5 .5 फीट की मूर्ति है। जिसकी स्थापना श्री स्वामीनारायण गणेश युवक मंडल, वाघोडिया रोड पर की जाएगी। सात परतों में बनी श्रीजी की प्रतिमा में रामजी के जन्म से लेकर रावण की मृत्यु तक संपूर्ण रामायण की कथा को लोगों के सामने साकार करने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही वडोदरा में बनी श्रीजी की प्रतिमाएं अहमदाबाद, सूरत और गांधीनगर समेत राज्य के कई शहरों में स्थापित की जाएंगी। साथ ही हमारी टीम द्वारा बनाई गई 1.5 फीट की प्रतिमा की मुंबई में पूजा की जाएगी।

पिछले 6 साल से मूर्त बना रहे हैं मूर्तिकार दक्षेश जांगिड़

मूर्तिकार दक्षेश जांगिड़ ने बताया कि वह पिछले 6 साल से मूर्तिकार का काम कर रहे हैं। तरसाली बायपास स्थित शिवम रेजीडेंसी की कार्यशाला में मेरे साथ 10 से 12 कलाकार सालभर में 6 इंच से 10 फीट तक मिट्टी की श्रीजी की मूर्तियां बनाते हैं। इस साल हमने छोटी-बड़ी मिलाकर 750 से ज्यादा गणेश प्रतिमाएं बनाई हैं।

महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

मौसम विभाग ने दी जानकारी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

देशभर में हो रही बारिश के बीच मौसम विभाग ने रविवार को बताया कि दक्षिणी बांग्लादेश और उसके आसपास के इलाकों में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसकी वजह से कई राज्यों में मौसम में बदलाव आने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान, गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, पश्चिमी मध्य प्रदेश में अगले दो से तीन दिनों तक बहुत ज्यादा भारी बारिश होने जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी मध्य प्रदेश में 25-26 अगस्त, मराठवाड़ा में 25 अगस्त, विदर्भ में 25, 30, 31 अगस्त, कोंकण, गोवा में 28-30 अगस्त, मध्य महाराष्ट्र में 28 और 29

अगस्त, छत्तीसगढ़ में 25, 29 और 31 अगस्त, गुजरात में 30 अगस्त, सौराष्ट्र और कच्छ में 31 अगस्त को भारी बारिश भी होगी। इसके अलावा, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की बात करें तो असम में 25 अगस्त, अरुणाचल प्रदेश में 25 और 31 अगस्त, झारखंड में 25, 27 और 28 अगस्त, असम, मेघालय में 26-28 अगस्त, ओडिशा में 26, 28 और 29 अगस्त, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26-28 और 30 व 31 अगस्त को भारी बारिश होगी।

महाराष्ट्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना को मंजूरी दी

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने रविवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को लागू करने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वाले 23 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत वेतन का 50 प्रतिशत हिस्सा सुनिश्चित पेंशन के रूप में दिए जाने को शनिवार को मंजूरी दी। एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के तहत सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में पाने के हकदार होंगे। पेंशन के रूप में वेतन का 50 प्रतिशत पाने के लिए न्यूनतम सेवा अवधि 25 वर्ष होनी चाहिए। एक अधिकारी ने यहां बताया कि महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार यूपीएस इस वर्ष मार्च से प्रभावी होगा और इसका लाभ राज्य सरकार के सभी कर्मचारियों को मिलेगा।

अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल इस साल नवंबर में समाप्त हो रहा है और अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। अधिकारी ने कहा, 'मंत्रिमंडल ने राज्य में अधिक किसानों के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति योजना का विस्तार करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। उन्हें दिन में भी बिजली आपूर्ति मिलेगी। मंत्रिमंडल ने 7,000 करोड़ रुपये की नार-पार-गिरणा नदी जोड़ो योजना को मंजूरी दे दी है, जिससे मुख्य रूप से नासिक और जलगांव जैसे उत्तरी महाराष्ट्र के जिलों को लाभ मिलेगा।' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ठाणे जिले में एक महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 5000 करोड़ रुपये भी जुटाएगी।

बिना नंबर प्लेट बाईक से चेन स्नैचिंग की वारदात

महिला का मंगलसूत्र छीन कर बाइक सवार फरार

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में चल रही बिना नंबर प्लेट की बाइक के कारण चोरी की घटनाओं में वृद्धि ही रही है। जिन्हें पकड़ पाना पुलिस के लिए सर दर्द बनता जा रहा है। इसी तहत कल रात शहर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत धामनकर नाका परिसर में एक आंगनवाड़ी सेविका का मंगलसूत्र अज्ञात लुटेरों ने बिना नंबर प्लेट की बाइक छीन कर फरार हो गए है। पुलिस के अनुसार पद्मनगर के गायत्रीनगर रोड निवासी रेखा

लिंगमूर्ति कमटम 39 कल रात साढ़े दस बजे के करीब धामनकर नाका परिसर से पैदल अपने घर जा रही थी, जैसे ही महिला हेल्थ मार्ट केमिस्ट मेडिकल के पास पहुंची तभी वहां काले रंग की डुक बाइक सवार ने महिला के गले से 80 हजार रुपए कीमत का सोने का 20 ग्राम वजनी मंगलसूत्र छीन कर फरार हो गए। बाइक पर नंबर प्लेट न होने के कारण महिला ने गाड़ी का नंबर नोट नहीं कर पाया। महिला ने बताया कि लुटेरों की उम्र अंदाजन 30 से 35 वर्ष होगी, जिन्होंने काले रंग का रेनकोट एवं सर पर हेलमेट पहने हुए थे। पुलिस ने महिला की शिकायत पर दोनों अज्ञात लुटेरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 309(4), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच पुलिस निरीक्षक भोईर कर रहे हैं।

अंतरविद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई एरिया स्कूल्स एसोसिएशन (एन.बी.ए.एस.ए.) के तत्त्वाधान में 24 अगस्त को अंतरविद्यालय लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन क्राइस्ट एकेडमी स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, कोपरखैरने, नवी मुंबई में किया गया। गत वर्ष की भांति इस बार भी अंतरविद्यालय प्रतियोगिता एन.बी.ए.एस.ए. के सचिव तथा फादर अग्नेल स्कूल (सीबीएसई), वाशी के निदेशक जोस कुरियन तथा एन.बी.एस.ए. के कोषाध्यक्ष एवं क्राइस्ट एकेडमी स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के निदेशक फादर जैसन वड़क्केथला सहित फादर जिंटो पॉल के नेतृत्व में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता

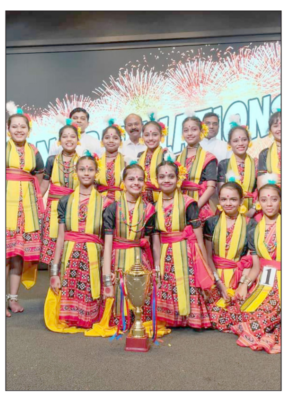

में नवी मुंबई क्षेत्र से तेरह प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। प्रतिभागी छात्रों की प्रस्तुति ने प्रतियोगिता के माध्यम से भारत के लोक नृत्य के साक्षात दर्शन कराए। लोक नृत्य ने देश के लोगों के जीवन, सोच व अभिव्यक्ति के साथ नर्तकों ने राजस्थानी, गुजराती, बंगाली, आदिवासी आदि अपने नृत्य व संगीत से अपने देश की कहानियों को दर्शाया। वर्तमान पीढ़ी को भारतीय लोक नृत्य द्वारा परंपरा और संस्कृति का महत्व समझाने का एक सफल और उत्तम प्रयास था। गुरु विद्या वेंकटेश्वर, पद्मिनी जोशी तथा राजन जोशी ने प्रतियोगिता हेतु निर्णायकगण का दायित्व निभाया। लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एस.बी.ओ.ए. पब्लिक स्कूल, नेरुल, द्वितीय स्थान प्रेजेंटेशन स्कूल, नेरुल तथा तृतीय स्थान ग्रीन फिंगर स्कूल, खारघर ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ठाणे-बोरिवली भूमिगत मार्ग के काम के लिए मनपा अग्रसर

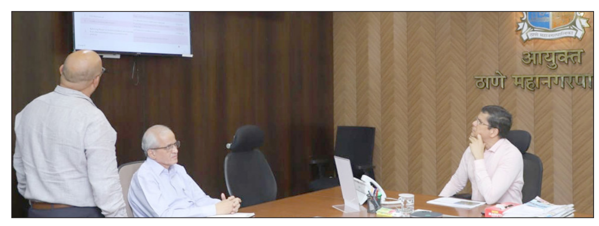

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे से बोरीवली यात्रा करने के लिए भूमिगत मार्ग के तैयार होने के बाद 12 मिनट में दूरी तय होगी। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने भूमिगत परियोजना के जानकारी के लिए मनपा मुख्यालय में बैठक ली। ठाणे-बोरिवली भूमिगत मार्ग काम का एमएमआरडीए कर रही है।इस परियोजना का भूमिपूजन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों से हुआ था और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के बीच से यह मार्ग जायेगा। बैठक में मनपा भूसंपादन,अतिक्रमण हटाने, वृक्ष प्राधिकरण विभाग का परमिशन आदि के लिए एमएमआरडीए व निर्माण कार्य कंपनी के प्रतिनिधि सौरभ राव के सामने आने वाली परेशानियों को रखा। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, सहायक संचालक, नगर रचना संग्राम कानडे, उपायुक्त (उद्यान) मनोहर बोडके, उपनगर अभियंता विकास ढोले उपस्थित थे। मनपा के अधिकारी ने स्वयं निर्माण की जगह की जांच पड़ताल की। इस कार्य में रुकावट उत्पन्न करने वाली पानी की पाइप लाइन,पेड़ों को शिफ्ट किया जायेगा।

नाबालिग के यौन उत्पीड़न मामले में एनसीपीसीआर टीम उल्हासनगर में

दोपहर संवाददाता । बदलापुर

पूरे देश सहित राज्य में बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है।इस मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा गहन जांच की जा रही है। इसी के तहत, शनिवार को उल्हासनगर के नागरिक संचालित केंद्रीय अस्पताल के 10-12 अधिकारियों और कर्मचारियों से पूछताछ की गई। अस्पताल में बच्चियो के जांच को लेकर किया गया निरीक्षण की जानकरी ली।

एनसीपीसीआर ने अस्पताल के अधीक्षक, डॉक्टरों, सुरक्षा गार्ड, वार्ड बॉय और अन्य संबंधित कर्मचारियों को तलब किया। पैनल के एक अधिकारी ने बताया

कि मीडिया के किसी भी हस्तक्षेप से बचने के लिए इन कर्मचारियों को मुंबई बुलाया गया था। सुबह से देर शाम तक उनके बयान दर्ज किए गए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि लड़कियों को किस हालत में अस्पताल लाया गया था और क्या चिकित्सा प्रक्रियाओं का पालन सही ढंग से किया गया था।

पैनल यह भी जांच कर रहा है कि कहीं इलाज में कोई लापरवाही या देरी तो नहीं हुई थी, या फिर अस्पताल के कर्मचारियों पर किसी प्रकार का राजनीतिक दबाव तो नहीं था। इस मामले में पैनल द्वारा हर कोण से जांच की जा रही है ताकि सच सामने आ सके और दोषियों पर उचित कार्रवाई की जा सके। बता दें कि कई राजनैतिक दलों ने लेट लतीफ को लेकर अस्पताल प्रशासन पर सवाल खड़ा किया था।

पति की हत्या के आरोप में महिला और उसका बेटा गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में चार महीने पहले अपने पति की हत्या करने के आरोप में 40 वर्षीय एक महिला और उसके बेटे को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। रबाले एमआईडीसी थाने के वरिष्ठ निरीक्षक देवेंद्र ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को दीघा निवासी लक्ष्मी भगवान पाटेकर और उसके बेटे सुमित (23) को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित भगवान पाटेकर (52) शराबी था और मां-बेटे की पिटाई करता था। पाटेकर 20 मई की शाम को हिंसक हो गया तो आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की 26 मई को आंतरिक चोटों के कारण मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जांच के बाद पाटेकर की हत्या के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

नेशनल ह्यूमन राईट्स संस्था की तरफ से दसवीं पास प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का सम्मान

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

नेशनल ह्यूमन राईट्स एड ह्यूमेनिटेरियन फेडरेशन महाराष्ट्र संस्था की तरफ से दसवीं कक्षा में अच्छे नंबर लाने वाले भिवंडी शहर के 11 स्कूलों के 31 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को हौसला अफजाई करने के लिए उन्हें उचित उपहार और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। उसी के साथ प्रतिभाशाली बच्चों के माता-पिता वह शिक्षकों को भी संस्था की तरफ से सम्मानित किया गया। भिवंडी शहर के बंजार पट्टी नाका स्थित बारादरी होटल के हाल में

आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मनीष पाटिल, समाज सेवक इमरान शेख,कांग्रेस के जेष्ठ नेता कुमार फडतरे के साथ कई स्कूलों के प्रिंसिपल और समाज सेवक मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस शांतता कमेटी के सदस्य अब्दुल लतीफ बाबा ने किया।उक्त कार्यक्रम मे दो विशेष सम्मान वकील की डिग्री प्राप्त करने वाले एड अब्दुल कादीर, एड नादीर शेख को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष अब्दुल जब्बार शेख और उनकी टीम के हाथों से सभी अतिथियों का स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम का प्रस्थाविक भाषण इकबाल अहमद सिद्दिकी और संचालन सज्जाद अख्तर और झाकीर मोमिन ने किया। इस कार्यक्रम मे संस्था के पद अधिकारी इब्राहिम मलबारी,मुजाहिद शेख, ॲड.अरबाज, अयाज अंसारी ,शाहीद पीरजादे, समदानी मुकादम,अनस अंसारी, शाहरुख सैय्यद, इलियास चौधरी, प्रमोद शेवाळे आदि मौजूद रहे।

100 किलो गोमांस के साथ दो गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर पुलिस ने एक ऑटो से 100 किलो गोमांस ले जाते हुए एक महिला सहित दो लोगो को गिरफ़्तार कर आगे की जांच में जुट गयी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब साढ़े सात बजे दरम्यान एक महिला द्वारा अम्बरनाथ से उल्हासनगर के शिवाजी चौक पर गौमांस लेकर आने की सूचना बजरंग दल के कुछ सदस्यों को मिली। इस सूचना के आधार पर बजरंग दल के सदस्यों में मौके पर पहुंच कर देखा कि एक महिला बड़ा सा थैला लेकर रिक्शा में बैठी हुई थी। जिसके बाद

उन्होंने रिक्शा को रोककर उसकी जांच की। जांच के दौरान, दो थैले में 100 किलो तक गोमांस है जो कही देने जा रही है। इसी दौरान सेंट्रल पुलिस मौके पर पहुंची और रिक्शा चालक तथा महिला को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति और महिला पति-पत्नी हैं। पुलिस ने रिक्शा को भी जब्त कर लिया है।

आंबेवाडी सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल, आंबेवाडी, कालाचौकी में गणपति भगवान का आवागमन हुआ। इस अवसर पर बदलापुर में नाबालिग बच्चियों पर हुए अत्याचार के बाद हुए विरोध का असर देखने को मिला। महाभारत में द्रौपदी के चीरहरण का दृश्य मूर्ति में दर्शाया गया, जिसके साथ जागरूकता का संदेश देती हुई लड़कियां।

भिवंडी में केंद्रीय प्रशासनिक भवन निर्माण के लिए 23 करोड़ की निधि मंजूर

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी पश्चिम के बीजेपी विधायक महेश चौघुले ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शहर में बिखरे हुए राजस्व विभाग के कार्यालय को एक भव्य इमारत में बनाने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और लोक निर्माण मंत्री रवीन्द्र चव्हाण से भिवंडी शहर में केंद्रीय प्रशासनिक भवन बनाने के लिए निवेदन देने के साथ व्यक्तिगत भेंट कर आग्रह किया।

विधायक चौघुले की मेहनत रंग लाई और शासन ने तालुका तहसीलदार कार्यालय और अन्य सरकारी कार्यालयों के लिए एक केंद्रीय प्रशासनिक भवन के निर्माण के काम को मंजूरी देकर 23 करोड़ का फंड मंजूर किया है।

गौरतलब हो कि भिवंडी शहर में तहसीलदार कार्यालय सहित कई सरकारी कार्यालय अपर्याप्त पुराने भवनों की जगह में सघन रूप से चल रहे हैं। इसलिए शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र के कई नागरिक जब सरकारी काम से शहर आते हैं तो उन्हें यह पता लगाने के लिए भागदौड़ करनी पड़ती है कि कार्यालय कहां है। आपूर्ति विभाग, भूमि अभिलेख, मंडल और तलाठी कार्यालय, चुनाव कार्यालय, पंजीकरण कार्यालय सहित तहसीलदार कार्यालय विभिन्न स्थानों पर स्थित हैं। इस हेतु एक भव्य भवन की मांग विगत कई वर्षों से की जा रही है। तालुका के गतिशील विकास और नागरिकों को उचित सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार सरकारी कार्यालय जीर्ण-शीर्ण और खतरनाक स्थानों पर चल रहे हैं, जिसके कारण सरकारी अधिकारियों को अपने काम में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं नागरिकों को अनावश्यक कठिनाई उठानी पड़ रही है। इस तरह के भव्य कार्यालय के लिए शहर में जिस स्थान पर राशन कार्यालय स्थित है, वहां गंगा जमुना सरस्वती सरकारी आवासीय भवनों की जगह उपलब्ध कराई गई है और शनिवार को विधायक महेश चौघुले ने लोक निर्माण विभाग के भिवंडी उप-अभियंता दत्तू गीता और अन्य अधिकारी के साथ उस स्थान का निरीक्षण किया।

उक्त संदर्भ में विधायक महेश चौघुले ने बताया कि प्रशासनिक भवन भव्य और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा और केंद्रीय प्रशासनिक कार्यालय भवन में पंजीकरण, आपूर्ति विभाग और तालुका के विभिन्न हिस्सों में फैले छोटे और बड़े सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ तहसीलदार कार्यालय भी होंगे। जिससे नागरिकों का महत्वपूर्ण समय और पैसा बचेगा और उनका काम तेजी से होगा।

धर्म के खिलाफ टिपण्णी करने वालों के विरुद्ध सख्त कानून लागू किया जाएः महेश चौगुले

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी पश्चिम से भाजपा विधायक महेश चौगुले ने धर्म के खिलाफ टिपण्णी करने व किसी भी धर्म गुरुओं का अपमान कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के विरुद्ध सख्त कानून बनाने की मांग राज्य सरकार से की है, ताकि धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों पर अंकुश लग सके। इस संदर्भ में विधायक महेश चौगुले ने महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और अजित दादा पवार को एक लिखित ज्ञापन है।

बता दें कि हाल ही में नाशिक के सिनर जिला में रामगिरी महाराज द्वारा इस्लाम धर्म गुरु पैगम्बर इस्लाम के खिलाफ टिपण्णी करने के बाद पूरे देश में मुस्लिम समुदाय के लोगों में गुस्सा फूट पड़ा। जिसके बाद विभिन्न जिलों से कई उलेमाओं ने संबंधित पुलिस स्टेशन में रामगिरी महाराज के खिलाफ मामला दर्ज कराते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है। विधायक महेश चौगुले ने कहा कि देश में धर्म के खिलाफ टिपण्णी करने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इस तरह किसी भी धर्म गुरुओं के खिलाफ अपशप्द भाषों का प्रयोग कर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों को कभी बर्दास्त नहीं किया जाएगा। इसलिए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों के विरुद्ध सख्त कानून बनाया जाना चाहिए।

अरब सागर में मछली पकड़ने गई बोट का टूटा पंखा

- नाविक सहित 18 मछुआरे फंसे

दोपहर संवाददाता । भाईंदर

भाईंदर पश्चिम के अरब सागर में मछली पकड़ने गई गॉडविल बोट का वापस लौटते समय पंखा (प्रोपेलर) टूट जाने की वजह से वह बीच सागर में बंद पड़ गई थी और सागर की लहरों में हिचकोले खाने लगी थी। बोट पर एक नाविक और 17 खलासी फंस गए थे। रविवार शाम को मछली पकड़ने गई एक अन्य बोट द्वारा उस बंद पड़ी बोट को खींचकर किनारे लाए जाने की जानकारी स्थानीय नागरिक अजीत गंगोली ने दी है। जिससे बोट पर सवार सभी के परिजनों ने राहत की सांस ली है। बता दें कि भाईंदर उत्तन पातान बंदर की गॉडविल बोट को लेकर उसके नाविक अलेक्जेंडर डग्लस बेलू अपने 17 खलासी के साथ मछली पकड़ने के लिए समुद्र में दूर तक गए हुए थे। विगत दो दिनों से मूसलाधार बरसात और तेज हवा चलने की वजह से मौसम अचानक खराब हो गया। जिससे समुद्र में मछली पकड़ने गए सभी बोट को किनारे लौटने की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही सभी बोट किनारे की तरफ लौटने लगी है। गॉडविल बोट के नाविक अलेक्जेंडर डग्लस बेलू भी अपने बोट को लेकर किनारे की तरफ लौट रहे थे, लेकिन अचानक उनके बोट का पंखा टूट कर पानी में गिर गया और उनकी बोट बीच समुद्र में हिचकोले खाने लगी। इसकी सूचना नाविक ने वायरलेस के माध्यम से रविवार की सुबह 7 बजे दी थी।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार — हर समस्या समाधान बनाने का एक मौका है : ली डे फॉरेस्ट

न्यूज़ ब्रीफ

बलात्कार के आरोप में 42 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता | पालघर

महाराष्ट्र के पालघर जिले में 12 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार करने के आरोप में 42 वर्षीय व्यक्ति को रविवार को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान रामा गणपत भोईर के रूप में हुई है और वह तारापुर का निवासी है। उसने शनिवार दोपहर कथित तौर पर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया था। अधिकारी ने बताया कि जब पीड़िता घर में अकेली थी तो भोईर उसके घर में घुस गया और उसके साथ बलात्कार किया। जब लड़की ने शोर मचाया तो वह मौके से फरार हो गया।अधिकारी ने बताया कि पीड़िता ने अपने माता-पिता को आपबीती बताई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भोईर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (बलात्कार) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

आपत्तिजनक नारे लगाने को लेकर 300 लोगों पर मुकदमा दर्ज

पुणे। पुलिस ने पुणे जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एक प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक नारे लगाए जाने के बाद करीब 300 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि धार्मिक नेता रामगिरि महाराज द्वारा इस्लाम के खिलाफ हाल में की गयी कथित टिप्पणियों के विरोध में शुक्रवार को एक 'सर्वधर्म समभाव महामोर्चा' आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शन के दौरान कथित आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। पुलिस के अनुसार, मोर्चा बिना अनुमति के आयोजित किया गया और नारों से समुदायों के बीच साम्प्रदायिक तनाव और शत्रुता पैदा हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मोर्चा में भाग लेने वाले 200-300 लोगों के खिलाफ बंडगार्डन पुलिस थाने में एक अपराध दर्ज किया गया है। रामगिरि महाराज पर कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के नासिक जिले में सिन्नर तालुक के एक गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम में इस्लाम के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देने का आरोप है।

नेपाल बस हादसे में CM शिंदे ने किया मुआवजे का ऐलान

महाराष्ट्र सराकर देगी 5-5 लाख रुपए

दोपहर संवाददाता | मुंबई

नेपाल में हुए बस हादसे में मारे गए जलगांव जिले के 27 तीर्थ यात्रियों की मौत हो गई। शुक्रवार को हुई इस दुर्घटना में मारे गए मृतकों के परिजनों को महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की है। यह घोषणा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को जलगांव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित लखपति दीदी कार्यक्रम में की। जलगांव जिले के वरणगांव, तालवेल और आसपास के अन्य इलाकों से 80 भक्तों का एक समूह भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए नेपाल गया था। शुक्रवार को गोरखपुर से रवाना हुई उनकी बस नेपाल के नाहन जिला स्थित ऐना पहाड़ी के पास नदी में गिर गई थी। इस हादसे में जलगांव जिले में अब तक 27 लोगों की मौत हो गई थी।

केंद्र भी देगा 2 लाख रुपए

मुख्यमंत्री शिंदे ने दुर्घटना के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए और प्रत्येक मृतक के परिजन को 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा रविवार को की। इस तरह केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने बताया कि बस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को केंद्र सरकार भी 2-2 लाख रुपए देगी। बता दें कि जलगांव के हवाईअड्डा परिसर के प्राइम इंडस्ट्रियल पार्क में राष्ट्रीय स्तर की लखपति दीदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यहां उपस्थित थे। इस दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नेपाल बस हादसे में मारे गए तीर्थ यात्रियों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने दुख व्यक्त किया

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में नेपाल में हुए हादसे में मारे गए तीर्थयात्रियों पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों ने इस मामले में तुरंत कदम उठाया। केंद्रीय राज्य मंत्री रक्षा खडसे को तुरंत नेपाल भेजा गया। इस हादसे में घायलों को अच्छा इलाज मिल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की ओर से मृतकों के परिवारों को सहायता दी जाएगी।

क्या चीतों को लाये जाने से राजस्व में वृद्धि हुई है: आदित्य ठाकरे

दोपहर संवाददाता | मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को सवाल किया कि मध्य प्रदेश के कूनो पार्क में चीते लाये जाने से क्या राजस्व सृजित हुआ है।

उन्होंने दावा किया कि मुंबई के चिड़ियाघर में पेंग्विन लाने से नगर निकाय की आमदनी में वृद्धि हुई है। ठाकरे ने पत्रकारों से कहा, 'यह पता लगाया जाना चाहिए कि भारत (मध्य प्रदेश के कूनो पार्क) में चीते लाये जाने से कितना राजस्व हासिल हुआ है।' राज्य के पूर्व मंत्री ने दावा किया कि वीरमाता जीजाबाई भोसले वनस्पति उद्यान में पेंग्विन लाये जाने से बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) की आय में वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 तक अविभाजित शिवसेना द्वारा संचालित बीएमसी को प्रशासक के अधीन लाये जाने से पहले, 2016 में आठ हम्बोल्ट पेंग्विन लाये गए थे। माना जाता है कि पेंग्विन लाने का विचार आदित्य ठाकरे का था। वहीं 'प्रोजेक्ट चीता' की शुरुआत 17 सितंबर, 2022 को हुई, जब नामीबिया से लाये गए आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान (केएनपी) के एक विशेष बाड़े में छोड़ा गया।

अब तक भारत लाये गए 20 चीतों में से कुछ को शुरू में जंगल में छोड़ दिया गया था, लेकिन सेप्टीसीमिया के कारण तीन चीतों की मौत के बाद उन्हें 13 अगस्त, 2023 तक वापस उनके बाड़ों में लाया गया। फिलहाल जीवित सभी 25 चीते स्वस्थ हैं।

सेंट्रल रेलवे द्वारा रेलवे बोर्ड विजिलेंस (सतर्कता) द्वारा प्रदर्शन समीक्षा बैठक

दोपहर संवाददाता | मुंबई

सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक राम करण यादव ने कहा 22 और 23 अगस्त 2024 को, भारतीय रेलवे सिविल इंजीनियरिंग संस्थान (IRICEN) ने पुणे में रेलवे बोर्ड विजिलेंस द्वारा आयोजित प्रदर्शन समीक्षा बैठक में भाग लिया। हर साल रेलवे बोर्ड मंडल रेलवे और उत्पादन इकाइयों के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए प्रदर्शन समीक्षा बैठकें आयोजित करता है। इस वर्ष यह बैठक सेंट्रल रेलवे द्वारा इरिसेन पुणे में आयोजित की गई थी । सेंट्रल रेलवे , वेस्टर्न रेलवे और उत्तर रेलवे की सतर्कता टीमों ने अपने वरिष्ठ उप महाप्रबंधकों के नेतृत्व में और रेलवे कोच फैक्ट्री , कपूरथला की एक टीम ने मुख्य सतर्कता अधिकारी के नेतृत्व में प्रदर्शन समीक्षा बैठक में भाग लिया। प्रधान कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) डीके सिंह की अध्यक्षता में रेलवे बोर्ड की एक सतर्कता टीम ने सतर्कता निदेशालय के कार्यकारी निदेशक के साथ सेंट्रल रेलवे, वेस्टर्न रेलवे, उत्तर रेलवे और कपूरथला रेलवे कोच फैक्ट्री के प्रदर्शन की समीक्षा की । इस अवसर पर सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक श्री राम करण यादव ने सेंट्रल रेलवे के सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता कार्यों के लिए की गई पहल की पुस्तिका का भी अनावरण किया। सेंट्रल रेलवे के मुख्य सतर्कता निरीक्षकों के लिए पर्यवेक्षण मैनुअल का अनावरण रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) डीके सिंह द्वारा किया गया। सेंट्रल रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक प्रतीक गोस्वामी के नेतृत्व में सेंट्रल रेलवे की सतर्कता टीम द्वारा सतर्कता कार्य में सुधार हेतु यह कदम उठाया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, सेंट्रल रेलवे के महाप्रबंधक यादव ने मध्य रेलवे के सतर्कता विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की, जिससे सेंट्रल रेलवे को लाभ हुआ। प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए , रेलवे बोर्ड के प्रधान कार्यकारी निदेशक (सतर्कता) डी.के. सिंह ने कहा कि सतर्कता की भूमिका प्रणाली में खामियों की पहचान करना और प्रणाली में सुधार का सुझाव देना है ताकि भारतीय रेलवे वास्तव में इससे लाभान्वित हो सके।

वेश्यावृत्ति में धकेलने के आरोप में दो महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे। मध्य प्रदेश के जबलपुर में 20 वर्षीय युवती को देह व्यापार में धकेलने के आरोप में दो महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। ठाणे पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

राबोडी पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता के अनुसार वह 17 अप्रैल को यहां दिवा में एक आरोपी के घर गई थी, जहां उसने जबलपुर में अच्छी नौकरी के अवसर के बारे में बताया था।

उन्होंने कहा, 'जबलपुर में आरोपियों ने पीड़िता को 5000 रुपये में दूसरी महिला को सौंप दिया और वहां से चली गईं। दूसरी आरोपी ने पीड़िता को जबरन देह व्यापार में धकेल दिया। जब उसने इनकार किया, तो उसकी पिटाई भी की।' अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को दो महिलाओं के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया और उनकी गिरफ्तारी होनी अभी बाकी है।

मुंबई TISS के छात्र की रहस्यमयी मौत, घर में मिला शव

मुंबई। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज में फर्स्ट ईयर में पढ़ने वाले एक छात्र की मौत हो गई है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने उसके साथ रैगिंग का शक जताया है। छात्र TISS में ह्यूमन रिसोर्स प्रोग्राम की पढ़ाई कर रहा था और एक अपार्टमेंट में किराये पर रहता था। इस मामले में पुलिस ने मृतक छात्र के परिवार को सूचना दे दी है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। छात्र का नाम अनुराग जायसवाल है और उसका शव एक अपार्टमेंट से मिला है, जहां पर वो किराये पर रहता था। इस मामले में सूत्रों ने जानकारी दी कि अनुराग बीती रात वाशी में अपने दोस्तों के साथ एक पार्टी में गया था। सूत्रों ने बताया कि वाशी में सीनियर और जूनियर स्टूडेंट्स की पार्टी थी, जिसमें 150 से ज्यादा स्टूडेंट्स मौजूद थे।

मुंबई पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि अनुराग एक फ्लैट में अपने 3 दोस्तों के साथ रहता था। बीती रात 3 बजे के करीब सभी घर पहुंचे थे। हालांकि सुबह जब तीन लोग सोकर उठे और अनुराग नहीं उठा तो उसे चेंबूर के एक नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस मामले में जांच अधिकारियों ने उसके साथ रैगिंग का शक जताया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच की जा रही है। पुलिस जांच के लिए उसके सभी दोस्तों से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि अनुराग का परिवार लखनऊ का रहने वाला है। पुलिस ने उन्हें इस घटना के बारे में जानकारी दे दी है, जिसके बाद परिवार ने कहा है कि उनके आने के बाद ही अनुराग का पोस्टमॉर्टम कराया जाए। पुलिस परिवार के आने का इंतजार कर रही है और उसके बाद घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल चेम्बूर पुलिस ने ADR लिया है और मामले की जांच की जा रही है।।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कंस्ट्रक्शन कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया

दीपक पवार | मुंबई

स्लम पुनर्वास प्राधिकरण (एसआरए) द्वारा 6 करोड़ रुपये वसूलने का दावा करने के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक निर्माण कंपनी के प्रबंध निदेशक को अदालत की अवमानना के लिए कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। साथ ही, वार्डों का किराया बकाया भी गलत था। दरअसल, अगस्त और सितंबर 2022 में जारी किए गए तीन में से दो चेक बाउंस हो गए।

न्यायमूर्ति महेश सोनक और न्यायमूर्ति कमल खाता की पीठ ने शुक्रवार को भारत नगर, बीकेसी, बांद्रा (पूर्व) में तत्कालीन चाली के 133 पात्र किरायेदारों में से पांच की याचिका पर सुनवाई की। जून 2004 में, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर राहिवासी सेवा संघ ज़ोपू (प्रस्तावित) और व्यक्तिगत किरायेदारों ने सतीश एंटरप्राइजेज के साथ पुनर्विकास समझौता किया। याचिका में दावा किया गया है कि ज़ोपू ने 'फोरमोस्ट रियलटर्स प्रोहिबिट लिमिटेड' के फॉर्म को दोबारा अनुमति दे दी है। 2011 में उनके सभी घर ध्वस्त कर दिए गए। डेवलपर ने 2014 से मासिक पारगमन किराया देना बंद कर दिया। याचिका में कहा गया कि ज़ोपू डेवलपर के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है, याचिकाकर्ताओं के वकील तनवीर और मरियम निज़ाम ने कहा कि उनके ग्राहकों को पारगमन किराया का भुगतान नहीं किया गया है कई साल। 9 अगस्त को, डेवलपर के वकील, शाकिब अंसारी ने कहा कि उन्होंने एसआरए के पास 6 करोड़ रुपये जमा किए हैं और एसआरए पात्र किरायेदारों को राशि का वितरण नहीं कर रहा है। न्यायाधीश ने एसआरए को किराया बकाया का पूरा विवरण देते हुए एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। शुक्रवार को, एसआरए के वकील जदगीश रेड्डी ने एसआरए को एक हलफनामा सौंपा, जिसमें कहा गया कि डेवलपर का मौखिक बयान 'पूरी तरह से गलत, झूठा और भ्रामक' था। एसआरए ने कहा कि फॉर्मोस्ट जून 2022 तक किराए के बकाया के रूप में 4.5 करोड़ रुपये का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी है। इसने जून 2021 तक किराए के लिए 2.1 करोड़ रुपये का चेक जारी किया। 31 अगस्त और 30 सितंबर, 2022 को, उन्होंने 2.4 करोड़ रुपये के दो चेक जारी किए, जो डेवलपर द्वारा उनके तहत भुगतान बंद करने के बाद बाउंस हो गए। एसआरए ने बताया कि जुलाई 2024 तक, डेवलपर 1.2 करोड़ रुपये से अधिक का किराया बकाया देने के लिए उत्तरदायी है। जज द्वारा पूछे जाने पर अंसारी ने कहा कि उन्होंने यह बयान डेवलपर के इन-हाउस वकीलों की सलाह पर दिया था। इसलिए जज ने एमडी को नोटिस जारी करने का फैसला किया, चूंकि अंसारी को उसका नाम नहीं पता था, हेग-रीड को 26 अगस्त को उसे सूचित करना था। उच्च न्यायालय रजिस्ट्री एमडी को एक नोटिस जारी करेगी 'हमें यह बताने के लिए कि उन पर अदालत की अवमानना अधिनियम के तहत मुकदमा क्यों नहीं चलाया जाना चाहिए' क्योंकि, अंसारी के अनुसार, एसआरए को 6 करोड़ रुपये का भुगतान करने का बयान 2015 पर आधारित था।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

निविदा दस्तावेज क्र.	2024_एमसीजीएम_1073733
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	के.बी. भाभा अस्पताल, कुर्ला (पश्चिम) में ओपीडी ग्राउंड फ्लोर की दीवारों और फर्नीचर के रखरखाव का कार्य।
निविदा की जांच शुल्क	रु.660+18.0% जीएसटी
बोली जांच जमा/ईएमडी	रु.5,000/
निविदा जारी करने और बिक्री की तारीख	26/09/2024 को 12.00 बजे से
निविदा की बिक्री और बोली की प्राप्ति की अंतिम तिथि और समय सुरक्षा जमा	04/09/2024 को दोपहर 03.00 बजे तक
वेबसाइट	https://portal.mcgm.gov.in
पैकेट ए जमा करना	05/09/2024 को दोपहर 03.00 बजे के बाद
पैकेट बी जमा करना	05/09/2024 को दोपहर 03.10 बजे के बाद
पैकेट सी खोलना	10/09/2024 को दोपहर 03.00 बजे के बाद
संपर्क के लिए पता	कार्यालय चिकित्सा अधिकारी, एमसीजीएम खान बहादुर भाभा अस्पताल, कुर्ला (प), मुंबई-400070
बोली खोलने का स्थान	चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में ऑन लाइन।

हस्ता./
चिकित्सा अधीक्षक
खान बहादुर भाभा अस्पताल कुर्ला (प.)

पीआरओ/1037/विज्ञा./2024-25

समय पर निदान, बचाएं प्राण

संपादकीय

महिला सुरक्षा हो पहली प्राथमिकता

बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच ने नाबालिग के यौन उत्पीड़न के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने माना है कि अगर कोई लड़का नाबालिग लड़की से प्यार का इजहार करने के लिए लगातार उसका पीछा करता है, तो यह पॉक्सो कानून के तहत यौन उत्पीड़न के बराबर होगा। दरअसल अमरावती की एक अदालत ने 4 फरवरी 2021 को एक युवक नाबालिग लड़की का पीछा करने पर दोषी ठहराते हुए एक साल के कारावास की सजा सुनाई थी। इस सजा के खिलाफ आरोपी ने हाई कोर्ट में अपील की थी। अपीलकर्ता ने दावा किया था कि उसे झूठे केस में फसाया गया है, क्योंकि पीड़िता किसी और लड़के के साथ संबंध में थी। लेकिन हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में इस अपील पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सानप ने तथ्यों के मद्देनजर कहा कि पीड़िता के बयान से स्पष्ट है कि अपीलकर्ता की उस पर कोई रुचि नहीं थी। बावजूद इसके अपीलकर्ता बार-बार उसका पीछा कर रहा था। वह उससे बात कर प्रेम संबंध बनाना चाहता था। वह इस उम्मीद में बार-बार उसका पीछा कर रहा था कि एक दिन वह उसके प्रेम को स्वीकार कर लेगी, जबकि पीड़िता की अपीलकर्ता में कोई दिलचस्पी नहीं थी। करीब साढ़े तीन दशक पहले फिल्म आई थी डर, जिसका बहुचर्चित गीत है तू हां कर या ना कर, तू है मेरी किरण। इस गीत में मधुरता के अलावा सब कुछ बेहद डरावना है, क्योंकि लड़की की मर्जी को यहां पुरुष के अहम तले कुचला जा रहा है। और लड़की जब नाबालिग हो तो यह मामला और संगीन हो जाता है। इस वक्त जब देश में यौन उत्पीड़न और महिला सुरक्षा को लेकर नए सिरे से बहस खड़ी हो चुकी है, उसमें नागपुर बेंच का यह फैसला काफी मायने रखता है। अमरावती की जिस घटना पर आरोपी को सजा सुनाई गई, वैसी घटनाएं इस देश में हर रोज़ हज़ारों बार घटती हैं। लाखों लड़कियां छेड़खानी को किसी भयावह श्राप की तरह सहती हैं और अक्सर इस पर शिकायत नहीं करती, क्योंकि इसमें भी या तो उन्हीं की गलती तलाशी जाती है या फिर उनके पढ़ाई और करियर पर रोक लगा दी जाती है। बहुत से मामले तो ऐसे भी हुए हैं, जब लड़की की शिकायत पर परिजन उसका साथ देने आगे आएं, तो उनके साथ हिंसक व्यवहार होता है। छेड़खानी या यौन शोषण के मामले में लड़की अगर निचली जाति की हुई तब उसके लिए कानून के दरवाजे पर पहुंचना और कठिन हो जाता है। छेड़खानी के मामलों को नजरंदाज करना या उन पर किसी कड़ी सजा का प्रावधान न होना ही आगे जाकर बड़ी घटनाओं का रास्ता खोलता है। देश इस वक्त ऐसे कई मामलों पर फिर से समाज को उद्वेलित होता देख रहा है। कोलकाता मामले में तो अब सुप्रीम कोर्ट ही स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। जिसमें सभी संबंधित पक्षों से कई तरह के सवाल हो रहे हैं। डॉक्टरों के सामने अपनी सुरक्षा का सवाल भी खड़ा हो गया है, जिस पर आज सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से काम पर लौटने कहा है, साथ ही एक नेशनल टास्क फोर्स बनाने की बात कही है, जो डॉक्टरों, जूनियर डॉक्टरों, सहायकों, नर्सों समेत सभी हितधारकों की बात सुनेगा। कोलकाता मामले में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खुल चुकी है। खुद मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ ने कहा कि वे एक परिजन की बीमारी के दौरान सरकारी अस्पताल की फर्श पर सोए हैं और उन्होंने देखा है कि डॉक्टरों को 36-36 घंटे काम करना पड़ता है। जूनियर डॉक्टरों का हर तरह से शोषण होता है, यह बात भी शीर्ष अदालत के संज्ञान में आई है। कोलकाता मामले में पीड़िता के परिजनों को ये इंतजार है कि इंसाफ कब मिलेगा। लेकिन इस बीच महाराष्ट्र में ठाणे के बदलापुर में एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण की घटना पर फिर से सियासत तेज हो गई है। हालांकि इस मामले में भाजपा प.बंगाल की तरह आवाज ऊंची नहीं कर रही है, क्योंकि महाराष्ट्र में उसी की सत्ता है और जिस स्कूल में यह वारदात हुई, वह भाजपा से जुड़ा व्यक्ति है। इस मामले में प्राथमिकी भी तभी दर्ज हो पाई, जब जनता इस पर नाराज होकर सड़कों पर उतरी। राहुल गांधी ने इस पर कहा कि क्या अब एफआईआर तक दर्ज कराने के लिए आंदोलन करने पड़ेंगे? आखिर पीड़ितों के लिए पुलिस थाने तक जाना भी इतना मुश्किल क्यों हो गया है? सभी सरकारों, नागरिकों और राजनीतिक दलों को गंभीर मंथन करना होगा कि समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल देने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। न्याय हर नागरिक का अधिकार है, उसे पुलिस और प्रशासन की 'मर्जी का मोहताज' नहीं बनाया जा सकता। चुनाव में भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है। लेकिन फिलहाल सब के लिए पहली प्राथमिकता महिला सुरक्षा होना चाहिए, क्योंकि ये अकेले किसी एक दल या राज्य या परिवार के नहीं पूरे देश के हित की बात है।

शख्सियत — मदर टेरेसा

गरीबों और बीमारों की सेवा करने वाली नोबेल शांति पुरस्कार विजेता

मदर टेरेसा मैसेडोनिया गणराज्य की एक रोमन कैथोलिक नन थीं, जिन्होंने भारत को अपनी सेवा के देश के रूप में अपनाया था। उन्होंने भारत के कोलकाता में रोमन कैथोलिक ननों के एक संगठन, मिशनरीज़ ऑफ चैरिटीज के माध्यम से गरीबों, बीमारों और निराश्रितों की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके काम को कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कारों और सम्मानों से मान्यता मिली। 4 सितंबर, 2016 को पोप फ्रांसिस द्वारा वेटिकन के सेंट पीटर स्क्वायर में एक समारोह में उन्हें संत घोषित किया गया।

मदर टेरेसा का जन्म 26 अगस्त, 1910 को बोजाक्सीहु परिवार की तीसरी संतान अगनेस गोंझा बोयाजिजू के रूप में हुआ था। उनका जन्म स्कोप्जे के केंद्र में 13 पॉप कोकिना स्ट्रीट पर एक पारिवारिक घर में हुआ था। उन्हें कैथोलिक चर्च ऑफ द हार्ट ऑफ जीसस में बपतिस्मा (चर्च की सदस्यता) दिया गया था। चर्च स्कूलों में, जहां वह नाटक विभाग, साहित्य अनुभाग और चर्च कोरस की सक्रिय सदस्य थीं। शिल्प, कपड़े की रंगाई और व्यापार में, अगनेस गोंझा (मदर टेरेसा) के परिवार की सफलता का एक लंबा इतिहास रहा है।

1950 में, टेरेसा ने मिशनरीज़ ऑफ़ चैरिटी की स्थापना की, जो एक रोमन कैथोलिक धार्मिक जनसमूह था। इसमें 4,500 से अधिक नन थीं और 2012 में 133 देशों में सक्रिय थी। यह जनसमूग उन लोगों के लिए घरों का प्रबंधन करती है जो एचआईवी/एड्स, कुष्ठ रोग और तपेदिक से मर रहे हैं।

टेरेसा को 1962 में पद्म श्री और 1969 में भारत सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय समझ के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दुनिया में गरीबी और संकट को दूर करने के संघर्ष में किए गए उनके काम के लिए 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला। 1980 में भारत रत्न (भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान) सहित अन्य भारतीय पुरस्कार भी दिए गए। नवीन चावला की टेरेसा की आधिकारिक जीवनी 1992 में प्रकाशित हुई थी। 28 अगस्त, 2010 को भारत सरकार ने एक विशेष 5 का सिक्का जारी किया (टेरेसा के पास जो धनराशि थी) जब वह अपने जन्म की 100वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारत आई थीं। मदर टेरेसा का 5 सितम्बर 1997 को 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

धीमा कर रही है प्रगति के पहियों को

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत के राज्यों में महाराष्ट्र एक ऐसा राज्य है जिसे कॉरपोरेट के मामले में सबसे आगे माना तो जाता ही है, यहां उद्योग-धंधों में भी लगातार बढ़ोतरी होती रही है। इसलिए इसे भारत की वाणिज्यिक राजधानी कहा जाता है। पिछले दस सालों के आंकड़े बता रहे हैं कि वहां उद्योगों की स्थिति पहले से कहीं बेहतर है। इस दौरान जब सरकारों में बदलाव हुआ तो कुछ व्यवधान जरूर आया लेकिन स्थिति फिर से पहले जैसी हो गई। महाराष्ट्र की एक खासियत यह है कि इस राज्य ने बहुत बड़े पैमाने पर प्रवासियों को अपने यहां रोजगार दिया है और उन्हें बराबरी का दर्जा भी दिया जिससे वे भी फल-फूल सकें।

लेकिन अभी राज्य में जिस तरह से जातिवादी आंदोलन शुरू कराया गया, वह इसके विकास के लिए ठीक नहीं है। उद्योगपति हमेशा शांतिपूर्ण तरीके से अपना काम करना चाहता है और किसी तरह के विवाद में नहीं पड़ना चाहता है। उद्योगों के सुचारु रूप से चलने के लिए यह पहली शर्त है। किसी भी तरह का राजनीतिक या बड़ा सामाजिक विवाद व्यवधान पैदा करता है जैसा हमने बिहार में देखा। वहां ये दोनों हुए और देश का एक संपन्न राज्य देश का सबसे पिछड़ा राज्य बन गया। राजनीतिज्ञों की दबंगई और आरक्षण आंदोलनों के कारण फैली कटुता ने राज्य को बर्बाद कर दिया। यह देखा जा रहा है कि राजनीतिज्ञ ही ज्यादातर मामलों में सामाजिक विवादों को सुलगाते हैं और बढ़ावा देते हैं। इससे राज्य के सामान्य जीवन पर भी असर पड़ता है और उसका असर काम-धंधे तक जाता है। हरियाणा में जाट और गैर-जाट का विवाद कोई नया नहीं है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसे खासी हवा दी गई जिससे राज्य में कई बार आंदोलन हुए और इसका असर उद्योग-धंधों पर भी पड़ा। जाट आरक्षण के नाम पर वहां बहुत उग्र आंदोलन हुए। इसका असर यह हुआ कि कई उद्योगपति, कारखानेदार और कारोबारी राज्य को छोड़कर उत्तराखंड चले गये जहां की सरकार ने आगे बढ़कर उनके लिए कई तरह के कन्सेशन दिये। हरियाणा में यूनियनों के भी उग्र आंदोलन हुए जिन्होंने राज्य के औद्योगिक विकास पर भी असर डाला। हरियाणा को इस बात का गौरव प्राप्त था कि वहां देश का सबसे बड़ा कार कारखाना स्थित है लेकिन यूनियनों के उग्र रूप के कारण कंपनी ने अपने विस्तार का काम रोक दिया। इन दोनों तत्वों के कारण राज्य में उद्योगों का लगना काफी कम हो गया। जातिवाद से हरियाणा को जो क्षति हुई उसका आकलन करना भी मुश्किल है।

जब गुजरात में पाटीदारों का आंदोलन हुआ तो वहां भी 2015 में यह उग्र हो गया। सारे राज्य में इसकी आग फैल गई। हिंसा और तोड़फोड़ हुई। यह आंदोलन 2019 तक बदस्तूर चला और उसके दुष्परिणाम सबने देखे। उद्योग-धंधों पर असर तो पड़ा ही, समाज कई भागों में बंट गया जिससे काफी नुकसान हुआ। लेकिन बाद में राज्य सरकार ने केन्द्र के सहयोग से उस पर काबू पा लिया। अब तो गुजरात तेजी से आगे बढ़ता जा रहा है और कई बड़े कारखाने वहां लगे क्योंकि उद्योगपतियों को वहां का माहौल ठीक लग रहा है। यही बात तमिलनाडु पर भी लागू होती है जो देश का सबसे ज्यादा उद्योगों वाला राज्य है। वहां सत्ता के लिए राजनीतिज्ञ सभी तरह के तौर-तरीके तो अपनाते हैं लेकिन सड़कों पर उग्र ढंग से उतरने के लिए जनता को नहीं उकसाते हैं। वहां का कारोबारी माहौल कंपनियों खासकर विदेशी कंपनियों को रास आता है। दरअसल, उद्योग-धंधे लगाने के लिए एक खास किस्म का माहौल चाहिए होता है।

अगर हम अतीत में जायें तो पायेंगे कि नब्बे के दशक में आर्थिक सुधारों की घोषणा के बाद हरियाणा में उद्योग लगाने वालों की कतार खड़ी हो गई थी। वहां के शांत माहौल और दिल्ली से नजदीक होने के कारण वहां कई छोटे-बड़े कारखाने लगे। विदेशी निवेश भी वहां खूब आया। यह सिलसिला चलता गया और इसी क्रम में एक मॉडर्न शहर गुड़गांव उभर कर सामने आया जहां रियल एस्टेट का कारोबार खूब फला-फूला। लेकिन अब कारखाने लगने बंद से हो गये हैं। संकीर्णता के आंदोलन और जमीन के बढ़ते भाव के कारण पूंजीपति पैसा लगाने को अब तैयार नहीं हैं। उन्हें लाने के लिए उन्हें इंसेंटिव देना और माहौल को सुधारना जरूरी है। लेकिन सुधारेगा कौन और सुधरेगा कैसे? इसके लिए तो राजनीतिज्ञों को सामने आना होगा।

महाराष्ट्र में इस समय कई बड़े और छोटे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। उनमें से कई समाप्ति की ओर अग्रसर हैं। इस राज्य में काफी क्षमता है और यह एक्सपोर्ट का हब बन सकता है क्योंकि इसके पास सभी तत्व मौजूद हैं। समुद्र के तट पर यह राज्य बसा है और यहां कई बड़े तथा छोटे बंदरगाह भी हैं जो निर्यात के लिए उपयुक्त हैं। ऐसे में इस तरह के उद्योगों को बढ़ावा दिया जाये जो निर्यात योग्य सामग्री बनाते हों। ऐसा करना जरूरी है क्योंकि इससे न केवल राज्य के उद्योगों का ग्राफ बढ़ेगा बल्कि रोजगार भी। आज देश को ऐसे उद्योंगों की सख्त जरूरत है जो रोजगार दे सकें। मुंबई भारत का सबसे ज्यादा आबादी घनत्व वाला राज्य है, वहां हर वर्ग किलोमीटर में 76,790 लोग रहते हैं। लेकिन इसके बावजूद यहां जिंदगी चल रही है और इसका श्रेय वहां के मेहनतकश लोगों को जाता है जो जिंदगी को एक चुनौती मानकर चल रहे हैं।

सहज योग

अवतार ईश्वर के स्वरूप हैं

हर कोई जो ईश्वर से भी सर्वोच्च होने का दावा करता है। उन्होंने ही मनुष्य को सर्वोच्च बनाया है। उन्हें सर्वोच्चता देकर, जब उसने सर्वोच्चता दे दी है। उसके पास होना चाहिए। जब उसने तुम्हें सर्वोच्चता दी है, तो उसने तुम्हें एक इंसान बनाया है।

हम देखते हैं कि ईसा मसीह के प्रश्न पर लोग चर्चा कर रहे हैं कि वह अवतार हैं या नहीं। सभी अवतार इसलिए बनाए गए, क्योंकि वे ईश्वर के स्वरूप हैं। और तुम उन्हें समझते चले जाओ, और तुम उन्हें समझते चले जाओ, और तुम उन्हें समझते चले जाओ, इसका कोई अंत नहीं है। यह एक अनन्तता है। उन्हें सीमित रूप से नहीं समझा जा सकता, लेकिन उनका शरीर एक सीमित चीज़ थी, जिसमें अनंत व्यक्त होता था। इसे उसी बिंदु पर रखें क्योंकि यह आपकी धारणाओं से भी परे है और आपकी समझ से भी परे है। यह वास्तव में परे है, तो उस हिस्से के बारे में भूल जाओ, लेकिन हमें भगवान के बारे में कभी न कभी बात तो करनी ही पड़ेगी ना और तीसरा स्वभाव है उसकी सर्वोच्चता। वह सर्वोच्च है। वह हममें से प्रत्येक से परे है। हर कोई जो ईश्वर से भी सर्वोच्च होने का दावा करता है। उन्होंने ही मनुष्य को सर्वोच्च बनाया है। उन्हें सर्वोच्चता देकर, जब उसने सर्वोच्चता दे दी है। उसके पास होना चाहिए। जब उसने तुम्हें सर्वोच्चता दी है, तो उसने तुम्हें एक इंसान बनाया है। आपको सर्वोच्चता देने का मतलब है कि वह आपकी स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं करता है। वह नहीं करता। उसने आपसे आज़ादी का वादा किया है और वह आपकी आज़ादी को बनाए रखेगा। ये भगवान की तीन आभायें हैं, जो अस्तित्व में तो हैं लेकिन प्रकट नहीं होतीं। संस्कृत भाषा में इन्हें 'अव्यक्त' कहा जाता है। अब तीन अन्य पहलू हैं जिन्हें वह प्रकट करता है जिन्हें 'व्यक्त' कहा जाता है, अर्थात प्रकट। उसका पहला पहलू यह है कि वह है। वह मौजूद है।

वह अस्तित्व में है। वह हर समय वहां मौजूद रहता है। इस पहलू को स्वयं अस्तित्व के रूप में 'स्थित' कहा जाता है। तो यह पहलू हमें अस्तित्व में रहने की शक्ति भी देता है। इसी शक्ति से यह ब्रह्माण्ड, यह सारी सृष्टि अस्तित्व में है। क्योंकि वह अस्तित्व है, वह उन सभी को हटा सकता है, जिन्हें उसने अस्तित्व में बनाया है। यदि वह चाहेगा तो उसके पास यह सब होगा या उसके पास इसमें से कुछ भी नहीं होगा या इसमें से कुछ होगा। हम उसके अस्तित्व को चुनौती नहीं दे सकते। वह जैसा चाहता है वैसा बनाता है और अगर उसे कोई चीज़ पसंद नहीं आती तो वह उसे नष्ट भी कर देता है।

ईश्वर का दूसरा पहलू यह है कि वह एक रचनात्मक शक्ति है। उसने बनाया। उसमें सृजन की शक्ति है, जिससे उसने इन ब्रह्माण्डों की रचना की है। उसने जानवरों को बनाया है। उसने इंसानों को बनाया है। उसने सभी भावनाएं बनाई हैं और सब कुछ उसके द्वारा बनाया गया है। वह रचयिता है।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

ली डे फॉरेस्ट : जन्म-26 अगस्त 1873 — जन्म

हर समस्या समाधान बनाने का एक मौका है

ली डे फॉरेस्ट एक अमेरिकी आविष्कारक और इलेक्ट्रॉनिक्स के अग्रणी थे। उन्हें इलेक्ट्रॉनिक युग के पिता के रूप में जाना जाता है, उन्होंने ऑडियोन वैक्यूम ट्यूब का आविष्कार किया, जो विद्युत संकेतों को बढ़ाता था और रेडियो, टेलीविजन और शुरुआती कंप्यूटरों के विकास के लिए महत्वपूर्ण था। उनके योगदान ने संचार प्रौद्योगिकी को काफी उन्नत किया। उनका जन्म 26 अगस्त, 1873 को और निधन 30 जून, 1961 को हुआ।

नवाचार की शुरुआत एक विचार और एक साहसिक छलांग से होती है। बड़े सपने देखें और तकनीक को उन सपनों को हकीकत में बदलने दें। हर सफलता अथक जिज्ञासा से शुरू होती है। सही पल का इंतज़ार न करें; उसे बनाएँ। भविष्य उनका है जो आविष्कार करने का साहस करते हैं। चुनौतियाँ छिपे हुए अवसर हैं। सफलता असफलताओं को कदम बढ़ाने से मिलती है। दुनिया को बदलने के लिए अपने विचारों की शक्ति पर विश्वास करें। महान आविष्कार दृढ़ता और जुनून से पैदा होते हैं। असफलता बस सफलता की पहली सीढ़ी है। नवाचार का मार्ग दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से बना है। अदृश्य को देखें, असंभव को प्राप्त करें। हर समस्या समाधान बनाने का एक मौका है। आपकी

कल्पना कल की तकनीक का खाका है। साहसपूर्वक आविष्कार करें और दूसरों को अनुसरण करने के लिए प्रेरित करें। जो संभव है उसकी सीमाओं को आगे बढ़ाकर दुनिया को बदलें। सच्ची प्रगति के लिए ज्ञान की निडर खोज की आवश्यकता होती है। अपनी दृष्टि को कार्य में बदलें और इसे वास्तविकता में बदलते हुए देखें। आविष्कार की यात्रा दृढ़ता और रचनात्मकता से प्रेरित होती है।सपने देखने की हिम्मत करें और फिर उन सपनों को साकार करने की हिम्मत करें।नवाचार नई सीमाओं का पता लगाने के साहस पर पनपता है।भविष्य उन लोगों द्वारा आकार लिया जाता है जो जोखिम लेने के लिए तैयार हैं। अपनी अभिनव भावना के लिए चुनौतियों को ईंधन के रूप में स्वीकार करें।हर विचार में दुनिया में क्रांति लाने की क्षमता होती है। जुनून के साथ सृजन करें और अपने काम को खुद बोलने दें।

प्रेरक प्रसंग

सबसे बड़ी मूर्खता

एक जंगल में बारहसिंगा रहता था। उसे अपने खूबसूरत सींगो पर बहुत ज्यादा घमंड था। पानी पीते हुए अपनी परछाई को देखता और सोचता, 'मेरे सिंग कितने सुंदर है, पर मेरी टांगे कितनी भद्दी है। उस दिन जंगल में शिकारी आए ! जब उन्होंने सुंदर सिंगो वाले बरहसिंगा को देखा तो

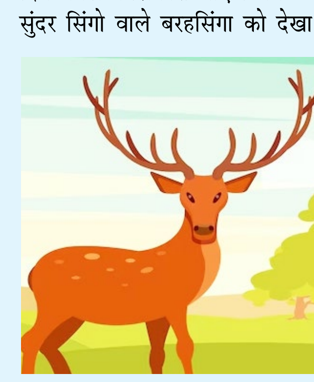

उसे पकड़ने के लिए दौड़े। बारहसिंगा बहुत तेजी से दौड़ता हुआ शिकारियों को बहुत पीछे छोड़ दिया। तभी अचानक उसके सिंग एक पेड़ के के शाखाओ में अटक गए। बारहसिंगा अपने सिंग निकालने के लिए भरसक मेहनत कर रहा था। काफी समय से जोर लगाने के बाद भी वह सिंग पूरी तरह से अटके हुए थे तब तक शिकारी और भी करीब आ जाता है। कैसे भी कर कर वह अपने सिंग निकालने में कामयाब हो जाता है। अब सुरक्षित स्थान पर पहुंचकर वह सोचने लगा, मैं कितना बड़ा मुर्ख हु। आज सिंग के कारण मारा जाता और पैरो के कारण आज बच पाया। इंसान के पास जो भी है उससे खुश होना चाहिए।

सुविचार

ब्रह्मांड की सारी शक्तियां पहले से हमारी हैं। वो हमी हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

बारह ज्योतिर्लिंगों का महत्व व महिमा

(भाग 2)

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध शहर इंदौर के समीप स्थित है, जिस स्थान पर यह ज्योतिर्लिंग स्थित है उस स्थान पर नर्मदा नदी बहती है, और पहाड़ी के चारों ओर नदी बहने से यहां ऊँ का आकार बनता है, ऊँ शब्द की उत्पति ब्रह्मा के मुख से हुई है, इसलिये किसी भी धार्मिक शास्त्र या वेदों का पाठ ऊँ के उच्चारण के साथ ही किया जाता है, यह ज्योतिर्लिंग ॐकार अर्थात ऊँ का आकार लिए हुए है, इस कारण इसे ओंकारेश्वर नाम से जाना जाता है।

केदारनाथ स्थित ज्योतिर्लिंग भी भगवान शिव के बारह प्रमुख ज्योतिर्लिंगों में आता है, यह उत्तराखंड में स्थित है, बाबा केदारनाथ का मंदिर बद्रीनाथ के मार्ग में स्थित है, केदारनाथ का वर्णन स्कन्द पुराण एवं शिव पुराण में भी मिलता है, यह तीर्थ भगवान् शिवजी को अत्यंत प्रिय है, जिस प्रकार कैलाश का महत्व है उसी प्रकार का महत्व शिवजी ने केदार क्षेत्र को भी दिया है। भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र के पूणे जिले में सह्याद्रि नामक पर्वत पर स्थित है, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग को मोटेश्वर महादेव के नाम

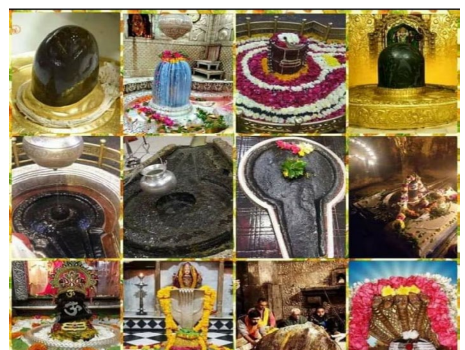

से भी जाना जाता है, इस मंदिर के विषय में मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा से इस मंदिर का दर्शन प्रतिदिन सुबह सूर्य निकलने के बाद करता है, उसके सात जन्मों के पाप दूर हो जाते हैं, तथा उसके लिए स्वर्ग के मार्ग खुल जाते हैं।

काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों मे प्रमुख है, यह उत्तर प्रदेश के काशी नामक स्थान पर स्थित है, काशी सभी धर्म स्थलों में सबसे अधिक महत्व रखती है, इसलिये सभी धर्म स्थलों में काशी का अत्यधिक महत्व कहा गया है, काशी की मान्यता है कि प्रलय आने पर भी यह स्थान बना रहेगा, इसकी रक्षा के लिए भगवान् शिवजी काशी को अपने त्रिशूल पर धारण कर लेंगे, और प्रलय के टल जाने पर काशी को उसके स्थान पर पुनः रख देंगे। त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग गोदावरी नदी के करीब महाराष्ट्र राज्य के नासिक जिले में स्थित है, इस ज्योतिर्लिंग के सबसे अधिक निकट ब्रह्मागिरि नाम का पर्वत है, इसी पर्वत से गोदावरी नदी शुरू होती है, भगवान् शिवजी का एक नाम त्र्यंबकेश्वर भी है, कहा जाता है कि भगवान् शिवजी को गौतम ऋषि और गोदावरी नदी के आग्रह पर यहां ज्योतिर्लिंग रूप में रहना पड़ा।

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

श्रीकृष्ण हैं सृष्टि के महानायक एवं मैंनेजमेंट गुरु

भगवान श्रीकृष्ण हमारी संस्कृति के एक अद्भुत एवं विलक्षण महानायक एवं मैंनेजमेंट गुरु हैं। श्रीकृष्ण का चरित्र एक प्रभावी एवं सफल मैंनेजमेंट गुरु वाले लोकनायक का चरित्र है। वह द्वारिका के शासक भी है किंतु कभी उन्हें राजा श्रीकृष्ण के रूप में संबोधित नहीं किया जाता। वह तो ब्रजनंदन है। कुशल प्रबंधन सोच के कारण ही समाज एवं राष्ट्र व्यवस्था उनके लिये कर्त्तव्य थी, इसलिये कर्त्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिये उसे कभी नकारा नहीं। वे प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों की संयोजना में सचेतन बने रहे। श्रीकृष्ण के आदर्शों से ही देश एवं दुनिया में शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। श्रीकृष्ण के प्रबंधन रहस्य को समझना होगा कि उन्होंने किस प्रकार आदर्श राजनीति, व्यावहारिक लोकतंत्र, सामाजिक समरसता, एकात्म मानववाद और अनुशासित सैन्य एवं युद्ध संचालन किया। राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए किस तरह की नीति और नियत चाहिए- इन सब प्रश्नों के उत्तर श्रीकृष्ण के प्रभावी प्रबंधन सूत्रों से मिलते हैं।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नेतृत्व एवं प्रबंधन की समस्त विशेषताओं को समेटे बहुआयामी एवं बहुरंगी है, यानी राजनीतिक कौशल, बुद्धिमत्ता, चातुर्य, युद्धनीति, आकर्षण, प्रेमभाव, गुरुत्व, सुख, दुख और न जाने और क्या? एक देश-भक्त के लिए श्रीकृष्ण भगवान तो हैं ही, साथ में वे जीवन जीने की कला एवं सफल नागरिकता भी सिखाते है। उन्होंने अपने व्यक्तित्व की विविध विशेषताओं से भारतीय-संस्कृति में उच्च महाप्रबंधक का पद प्राप्त किया। एक ओर वे राजनीति के ज्ञाता, तो दूसरी ओर दर्शन के प्रकांड पंडित थे। धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक जगत् में भी नेतृत्व करते हुए ज्ञान-कर्म-भक्ति का समन्वयवादी धर्म उन्होंने प्रवर्तित किया। अपनी योग्यताओं के आधार पर वे युगपुरुष थे, जो आगे चलकर युवावतार के रूप में स्वीकृत हुए। उन्हें हम एक महान् क्रांतिकारी नायक के रूप में स्मरण करते हैं। वे दार्शनिक, चिंतक, गीता के माध्यम से कर्म और सांख्य योग के संदेशवाहक और महाभारत युद्ध के नीति निर्देशक थे किंतु सरल-निश्छल ब्रजवासियों के लिए तो वह रास रचैया, माखन चोर, गोपियों की मटकी फोड़ने वाले नटखट कन्हैया और गोपियों के चितचोर थे। गीता में इसी की भावाभिव्यक्ति है- हे अर्जुन! जो भक्त मुझे जिस भावना से भजता है मैं भी उसको उसी प्रकार से भजता हूं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में भी हम इन्हीं प्रबंधकीय विशेषताओं का दर्शन करते है, क्योंकि श्रीकृष्ण के जीवन-आदर्शों को आत्मसात करते हुए वे एक कुशल प्रबंधक के रूप में सशक्त भारत-नया भारत निर्मित कर रहे हैं।

सही प्रबंधन के बिना किसी भी कार्य से श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त नहीं किये जा सकते। जिस तरह जीवन के प्रत्येक कार्य में सुनिश्चित सफलता के लिये सही प्रबंधन अति आवश्यक है, उसी तरह सही ढंग से जीने एवं सार्थक जीवन के लिये भी सही प्रबंधन जरूरी है। श्रीकृष्ण ने मैंनेजमेंट गुरु की भूमिका निभाते हुए सफल एवं सार्थक जीवन जीने के प्रबंधन सूत्र दिये, जो सदियों से सम्पूर्ण मानवजाति का पथ-दर्शन कर रहे हैं। श्रीकृष्ण के प्रबंधन नीति की खासियत यह है कि उनकी भावना और विवेक एक दूसरे का पूरक है। मैनेजमेंट गुरु श्रीकृष्ण का वह व्यावहारिक कौशल ही था कि अत्याचारी कंस को सबसे पहले आर्थिक रूप से कमजोर किया गया और फिर उसका वध किया। पूरे महाभारत युद्ध के दौरान कहीं भी श्रीकृष्ण उहापोह की स्थिति में नजर नहीं आये। एक ही व्यक्ति में अनेक गुणों, विशेषताओं एवं कौशल का समावेश तभी हो सकता है, जब वह प्रबंधन में निष्णात हो। श्रीकृष्ण एक ऐसा ही आदर्श चरित्र है जो अर्जुन की मानसिक व्यथा का निदान करते समय एक मनोवैज्ञानिक, कंस जैसे असुर का संहार करते हुए एक धर्मावतार, स्वार्थ पोषित राजनीति का प्रतिकार करते हुए एक आदर्श राजनीतिज्ञ, विश्व मोहिनी बंसी बजैया के रूप में सर्वश्रेष्ठ संगीतज्ञ, बृजवासियों के समक्ष प्रेमावतार, सुदामा के समक्ष एक आदर्श मित्र, सुदर्शन चक्रधारी के रूप में एक योद्धा व सामाजिक क्रान्ति के प्रणेता हैं। उनके जीवन की छोटी से छोटी घटना से यह सिद्ध होता है कि वे सर्वैश्वर्य सम्पन्न थे। धर्म की साक्षात् मूर्ति थे। कुशल राजनीतिज्ञ थे। सृष्टि संचालक के रूप में एक महाप्रबंधक थे।

भगवान श्रीकृष्ण के मैनेजमेंट मंत्र के अनुसार श्रेष्ठ व्यक्ति को हमेशा अपने पद और गरिमा के अनुसार ही व्यवहार या आचरण करना चाहिए। क्योंकि वह लोगों के लिए आदर्श हैं और वो जैसा करेंगे लोग भी वैसा ही अनुसरण करेंगे। कुरुक्षेत्र के युद्ध मैदान में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को जो गीता के उपदेश दिये थे, वे मैंनेजमेंट अमरसूक्त हैं। मोहवश अर्जुन ने हथियार त्याग दिए थे, तब गीता के उपदेशों के जरिये ही भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को धर्मानुसार कर्म करने की प्रेरणा दी। महाभारत के युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो उपदेश दिए थे, इनमें मैनेजमेंट के सूत्र छिपे हुए हैं। इस सूत्रों को समझकर कोई भी इंसान अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलावों से उन्नति कर सकता है। श्रीकृष्ण के अनुसार जिस मनुष्य के मन में किसी प्रकार की इच्छा या कामना होती है, उसे कभी सुख शांति प्राप्त नहीं होती। इसलिए सुख-शांति हासिल करने के लिए इंसान को सबसे पहले अपनी इच्छाओं का त्याग करना होगा। हम कर्म के साथ उसके आने वाले परिणाम के बारे में सोचते हैं जो हमें कमजोर बनाता है। लेकिन हमें परिणाम की चिंता न करके अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए, जिससे हम अपने कर्तव्य का पालन कर सकें, यह प्रबंधन का आदिसूत्र हैं।

श्रीकृष्ण का प्रशासनिक एवं राजनीतिक चरित्र अत्यन्त अलौकिक है, उनके समग्र विचार दर्शन का संक्षेप में केवल एक संदेश है- कर्म। कर्म के माध्यम से ही समाज की अनिष्टकारी प्रवृत्तियों का शमन करके उनके स्थान पर वरेण्य प्रवृत्तियों को स्थापित करना संभव होता है। श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व असीम करुणा से परिपूर्ण है। लेकिन अनीति और अत्याचार का प्रतिकार करने वाला उनसे कठोर व्यक्ति शायद ही कोई मिले। जो श्रीकृष्ण अपने से प्रेम करने वाले के लिए नंगे पांव दौड़े चले जाते थे, वही श्रीकृष्ण दुष्टों को दण्ड देने के लिए अत्यंत कठोर और निर्मम भी हो जाते थे। कब प्रेम करना और कब घृणा, कब कठोर होना और कब करुणामय-यह उचित प्रबंधन से ही संभव है।

भगवान श्रीकृष्ण से प्रेम के साथ-साथ जीवन के सबसे खराब दौर में कैसे अच्छा परिणाम पाएं इसका गुण भी हम लोग सीख सकते हैं। अपने जन्म से लेकर लीला समाप्ति तक, अपने पूरे अवतार के समय तक श्रीकृष्ण ने कई संघर्षों को सुलझाया और देखा भी। परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाने की कला सिर्फ श्रीकृष्ण में ही थी। श्रीकृष्ण का यह प्रबंधन कौशल एवं समय-नियोजन ही था कि उन्होंने 64 दिन में 64 कलाओं का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। श्रीकृष्ण ने वैदिक कलाओं के साथ-साथ दूसरी कलाएं भी सीखी थीं। शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जिससे आपके व्यक्तित्व का रचनात्मक विकास हो। श्रीकृष्ण ने 64 कलाओं के साथ-साथ संगीत, नृत्य व युद्ध की भी कला भी सीखी थी। एक बार पांडवों के राजसूय यज्ञ में शिशुपाल श्रीकृष्ण को अपशब्द कहता रहा। वह छोटा भाई था, लेकिन बोलते-बोलते उसने सारी मर्यादाएं तोड़ दीं। सभा में मौजूद सभी लोग क्रोधित थे लेकिन श्रीकृष्ण शांत थे और मुस्कुरा रहे थे। एक बार श्रीकृष्ण शांति दूत बनकर दुर्योधन के पास गए तो उसने श्रीकृष्ण का बहुत अपमान किया। श्रीकृष्ण शांत रहे। इसलिए अगर हमारा दिमाग स्थिर है और मन शांत है तभी हम कोई सही निर्णय ले पाएंगे। गुस्से में हमेशा नुकसान होता है। उचित प्रबंधन के माध्यम से हम यह सीख सकते हैं और श्रीकृष्ण इसके प्रयोक्ता थे।

श्रीकृष्ण का संपूर्ण जीवन भारत के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पर्याय है। उनके आदर्शों के माध्यम से ही विश्व ने भारत को जाना है। उनके आदर्शों की पुनर्प्रतिष्ठा से विश्व फिर से भारत को जानेगा। राजनैतिक सूक्ष्म दृष्टि, दुष्टों, राष्ट्रद्रोहियों, अपराधियों एवं भ्रष्टाचारियों का दलन, वचन पालन का संकल्प, राष्ट्रहितार्थ आत्मसमर्पण का व्रत, निष्पाप लोगों की मुक्ति, विषमताओं का उन्मूलन, विभेदों में सामंजस्य, परस्पर शत्रुता का निवारण, स्वयं स्वीकृत आत्मसंयम, राष्ट्र कार्यों में सबका सहयोग, राजसत्ता पर धर्मसत्ता का अंकुश और इन सबकी पूर्ति के लिए सत्ता का भी त्याग इत्यादि श्रीकृष्ण के प्रबंधन-गुण भारत के राष्ट्रीय जीवन एवं सांस्कृतिक मूल्य हैं। वास्तव में श्रीकृष्ण उस कोटि के चिंतक थे, जो काल की सीमा को पार कर शाश्वत और असीम तक पहुंचता है। जब-जब अनीति बढ़ जाती है, तब-तब श्रीकृष्ण जैसे राष्ट्रनायक को अवतीर्ण होना पड़ता है। जैसा कि स्वयं श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है- यदा-यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्। अर्थात अन्याय के प्रतिकार के लिए ही राष्ट्रनायक को जन्म लेने की आवश्यकता पड़ती है।

श्रीकृष्ण अनेक प्रबंधन विशेषताओं के समवाय थे, वे ग्रामीण संस्कृति के पोषक बने हैं। उन्होंने अपने समय में गायों को अभूतपूर्व सम्मान दिया। वे गायों एवं ग्वालों के स्वास्थ्य, उनके खान-पान को लेकर सजग थे। उन्होंने जहां ग्वालों की मेहनत से निकाला गया माखन और दूध-दही को स्वास्थ्य रक्षक के रूप में प्रतिष्ठित किया वही इन अमूल्य चीजों को 'कर' के रूप में कंस को देने से रोका। वे चाहते थे कि इन चीजों का उपभोग गांवों में ही हो। श्रीकृष्ण का माखनचोर वाला रूप दरअसल निरंकुश सत्ता को सीधे चुनौती तो था ही, लेकिन साथ ही साथ ग्रामीण संस्कृति को प्रोत्साहन देना भी था। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव-जन्माष्टमी पर आज भारत का निर्माण उनकी शिक्षाओं, जीवन-आदर्शों, प्रबंधन-कौशल एवं सिद्धान्तों पर करने की अपेक्षा है, तभी हिन्दू सशक्त होंगे, तभी भारत सही अर्थों में हिन्दू राष्ट्र बन सकेगा।

दक्षिण भारत में स्थित भगवान विष्णु के प्रसिद्ध मंदिरों के आप भी कर आएं दर्शन, पूरी होंगी आपकी मनोकामनएं

जब भी भारत की खूबसूरती का जिक्र होता है, तो उसमें दक्षिण भारत का नाम जरूर लिया जाता है। दक्षिण भारत देश का एक ऐसा हिस्सा है, जिसकी खूबसूरती को निहारने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। जिस तरह से दक्षिण भारत पूरी दुनिया में फेमस है, ठीक उसी तरह यहां पर स्थित में मंदिर भी काफी ज्यादा फेमस है। दक्षिण भारत में मौजूद शिव मंदिर, राम मंदिर और लक्ष्मी मंदिर के दर्शन के लिए हर रोज भारी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। दक्षिण भारत में अन्य मंदिरों के अलावा पवित्र और विश्व प्रसिद्ध विष्णु मंदिर भी मौजूद हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भगवान विष्णु को समर्पित इन मंदिरों में दर्शन मात्र से भक्तों की सभी मुरादें पूरी होती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दक्षिण भारत में स्थित 5 फेमस भगवान विष्णु के मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इन मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकते हैं।

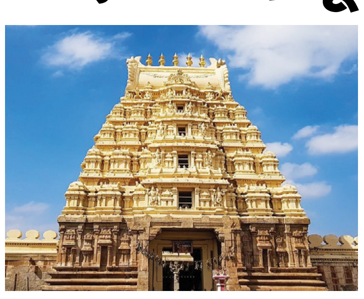

श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर

जब भी दक्षिण भारत में स्थित फेमस और पवित्र मंदिर की बात होती है, तो बहुत सारे लोग सबसे पहले श्री रंगनाथस्वामी मंदिर का नाम लेते हैं। भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित यह मंदिर तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में स्थित है। श्री रंगनाथस्वामी मंदिर भारत का सबसे बड़ा मंदिर परिसर और दुनिया के सबसे महान मंदिरों में शामिल है। यह मंदिर वैष्णव संप्रदाय को समर्पित है। श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर यूनेस्को विश्व विरासत केंद्र में भी शामिल है। बताया जाता है कि जो भी भक्त सच्चे मन में दर्शन के लिए आता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर

दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश में देश का एक पवित्र और चर्चित मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर स्थित है। भगवान श्रीहरि को समर्पित यह मंदिर लाखों-करोड़ों भक्तों के आस्था का केंद्र है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के तिरुपति में तिरुमाला की पहाड़ियों में स्थित भगवान विष्णु का एक रूप श्री वेंकटेश्वर स्वामी को समर्पित है। इस मंदिर के बारे में बताया जाता है कि मानव जाति को कलियुग के परीक्षणों और परेशानियों से खत्म करने के लिए श्री वेंकटेश्वर ने पृथ्वी पर जन्म लिया था।

पद्मनाथ स्वामी मंदिर

जिस तरह से केरल राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। ठीक वैसे ही केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के पूर्वी किले के भीतर स्थित पद्मनाथ स्वामी मंदिर भी काफी फेमस है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है। बता दें कि पद्मनाभ मंदिर के बारे में बताया जाता है कि यह दुनिया के सबसे अमीर मंदिरों की लिस्ट में शामिल है। पद्मनाभ मंदिर में भगवान विष्णु की शयनमुद्रा, खड़ी और बैठी हुई मूर्तियां स्थापित हैं। पद्मनाभ मंदिर की द्रविड़ वास्तुशिल्प लोगों को खूब आकर्षित करती है।

आंध्र विष्णु मंदिर

आंध्र प्रदेश की हसीन वादियों में राज्य का सबसे पवित्र और चर्चित मंदिर आंध्र विष्णु मंदिर मौजूद है। इस मंदिर को आंध्र महा विष्णु या श्रीकाकुलांध्र महा विष्णु के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर को चमत्कारी मंदिर माना जाता है। बताया जाता है कि जो भी व्यक्ति य़हां पर सच्चे मन से दर्शन करने के लिए जाता है, वह कभी खाली हाथ नहीं लौटता है। इसलिए यहां हर रोज भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है।

कल्ललगर मंदिर

इस मंदिर को बहुत सारे लोग कल्लझगर मंदिर के नाम से भी जानते हैं। यह तमिलनाडु के मदुरै में स्थित भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित मंदिर है। इस पवित्र मंदिर को श्रीहरि का घर भी बताया जाता है। यह विष्णु को समर्पित 108 दिव्य देशमों में से एक है। कल्ललगर मंदिर के बारे में बताया जाता है कि यहां पर श्रीहरि के कल्ललगर के रूप में पूजा होती है। वहीं माता लक्ष्मी को थिरुमगल के रूप में पूजा जाता है। इस मंदिर की कहानी और वास्तुकला दोनों ही श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है।

365 दिन बाद बनने जा रहा है नीचभंग राजयोग, इन राशियों खुलेगी किस्मत, शुक्रदेव बरसाएंगे कृपा

ज्योतिष के अनुसार, जब ग्रह एक से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तो शुभ योग और राजयोग का निर्माण होता है। इसका प्रभाव व्यक्ति के जीवन अथवा तमाम देश-दुनिया पर भी पड़ता है। प्रेम, धन, एश्वर्य और सुख-समृद्धि के कारक ग्रह शुकदेव सितंबर में अपनी नीच राशि कन्या में गोचर करेंगे। जिससे नीचभंग राजयोग का निर्माण होगा। इसका असर सभी राशियों पर देखने को मिलेगा। हालांकि, इन 3 राशियों की किस्मत चमक सकती है। इसके साथ ही इन लोगों को आकस्मिक धन लाभ और करियार-कारोबार में सफलता मिल सकती है। आइए जानते हैं कौन हैं ये लकी राशियां।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातको के लिए नीचभंग राजयोग काफी शुभ साबित होने वाला है। क्योंकि शुक्र ग्रह कन्या राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। इस दौरान आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। इसके साथ ही शादीशुदा लोगों का जीवनसाथी के साथ अच्छा तालमेल रहेगा। आपके जीवनसाथी की इस दौरान तरक्की होगी। आप परिवार के साथ अच्छा समय बीताएंगे। इस दौरान आप एक साथ कई सारे काम करने में माहिर होंगे। इसका लाभ आपको मिलेगा। वहीं, अविवाहित लोगों को विवाह का प्रस्ताव आ सकता है।

मकर राशि

मकर राशि वालों के लिए नीचभंग राजयोग फलदायी सिद्ध होगा। क्योंकि धन का दाता शुक्र आपकी गोचर कुंडली के नवम भाव पर संचरण करेंगे। इस अवधि में आपका भाग्योदय होगा। इसके साथ ही आय के स्रोत बढ़ेंगे। किसी नए काम की शुरुआत हो सकती है। आपके धन लाभ के योग बन रहे हैं। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। कार्य के चलते यात्रा भी कर सकते हैं। इसके साथ ही इस दौरान आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

धनु राशि

धनु राशि के नीचभंग राजयोग काफी शुभ होने वाला है। वो इसलिए शुक्र ग्रह आपकी राशि से कर्म भाव पर संचरण करने जा रहे हैं। इसलिए इस दौरान आपके व्यवसाय में तरक्की होगी। इसके साथ ही नौकरीपेशा वाले लोगों के लिए यह गोचर काफी लकी साबित होगा। आप अपने करियर में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकते हैं। नौकरी मे प्रमोशन का योग बन रहा है। वहीं व्यापरियों को धन लाभ हो सकता है। इस समय आप कारोबार का विस्तार कर सकते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष – पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है।

वृष – नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

मिथुन – क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कर्क – अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा।

सिंह – अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे।

कन्या – उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

तुला – दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

वृश्चिक – प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे।

धनु – घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

मकर – पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कुंभ – स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

मीन – मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा।

जन्म कुंडली के किस भाव को अत्यंत शुभ माना गया ?

लग्नेश को 6, 8, 12 भाव के स्वामित्व का दोष नहीं लगता।

5. परस्पर कारकः जब ग्रह अपनी उच्च, मूलत्रिकोण या स्वराशि के होकर केंद्र में स्थित होते हैं तो 'परस्पर कारक' (सहायक) होते हैं। दशम भाव में स्थित ग्रह अन्य कारकों से अधिक फलदायी होता है। कुछ आचार्य पंचम भाव में बलवान शुभ ग्रह को भी 'कारक' की संज्ञा देते हैं। 'मारक ग्रह' ज्येतिष ग्रंथों के अनुसार निम्न ग्रह पीड़ित होने पर अधिक हानिकारक (मारक) बन जाते हैं:-

1. अष्टमेश
2. अष्टम भाव पर दृष्टिपात करने वाले ग्रह।
3. अष्टम भाव स्थित ग्रह
4. द्वितीयेश और सप्तमेश
5. द्वितीय और सप्तम भाव स्थित ग्रह
6. द्वादशेश
7. 22वें द्रेष्कॉण का स्वामी
8. गुलिका स्थित भाव का स्वामी
9. 'गुलिका' से युक्त ग्रह।
10. षष्ठेश, व षष्ठ भाव में स्थित पापी ग्रह आदि।

'कारक' व 'मारक' फलादेश

1. एक बली 'कारक' ग्रह अपनी भाव स्थिति, स्वामित्व भाव और दृष्ट भाव को शुभता प्रदान करता है।
2. केंद्र (1, 4, 7, 10) भाव में स्थित 'कारक' की दशा पूर्ण शुभ फल देती है। पनफर (2, 5, 8, 11) भाव में स्थित 'कारक' की दशा मध्यम फल' और अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) भाव में स्थित 'कारक' की दशा साधारण फल देती है। यह फलादेश ग्रह की दशा-भुक्ति में जातक को प्राप्त होता है।

3. पापकत्तरी योग में तथा पाप दृष्ट 'कारक' के शुभ फल में कमी आती है।
4. वक्री 'कारक' शुभ ग्रह अधिक शुभ फलदायी होता है।
5. किसी भाव का 'कारक' यदि उसी भाव में स्थित हो तो उस भाव संबंधी फल में कमी या कठिनाई देता है। यह स्थिति 'कारको भाव नाशाय' के नाम से प्रसिद्ध है।
6. एक 'कारक' ग्रह की दशा में अन्य 'कारक' की भुक्ति उत्तम फलदायी होती है।
7. 'कारक' ग्रह की दशा में संबंधित 'मारक' ग्रह की भुक्ति निम्न फल देती है।
8. यदि 'कारक' और 'मारक' ग्रहों में दृष्टि आदि का संबंध न हो तो 'मारक' ग्रह की भुक्ति कष्टकारी होती है।
9. एक 'मारक' ग्रह की दशा में अन्य 'मारक' ग्रह की भुक्ति अत्यंत अशुभ फल देती है।
10. जब किसी भाव का 'कारक' उस भाव से 1, 5, 9 भाव में गोचर करता है और बलवान (स्वक्षेत्री या उच्च) होता है तो उस भाव का उत्तम फल व्यक्ति को मिलता है।
11. गोचर में भावेश और भाव 'कारक' की युति, दृष्टि आदि संबंध होने पर उस भाव संबंधी शुभ फल प्राप्त होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

हिन्दू छात्रों को स्कूल में तिलक न लगाकर आने का फरमान

बिजनौर। किरतपुर क्षेत्र के गांव भनेड़ा के माध्यमिक स्कूल की टीचर ने हिन्दू बच्चों को टीका लगाने से मना करने पर ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। शिकायत के बाद बीएसए ने मामले की जांच शुरू कराई है। मामला गांव बनेड़ा के माध्यमिक स्कूल का है जहां की टीचर आयशा ने हिन्दू बच्चों को टीका लगाकर नहीं आने की चेतावनी दी है, जबकि मुस्लिम बच्चे टोपी लगाकर क्लास में लगातार बैठते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त सरकारी टीचर स्कूल में मजहबी दुकान चला रही है।बच्चों का कहना है कि तिलक लगाकर आने वाले बच्चों का टीचर तिलक मिटा देती है।

सगे चाचा पर भतीजी के साथ दुष्कर्म का आरोप

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के बांसडीह थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी के साथ उसके चाचा ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रांत वीर ने रविवार को दर्ज प्राथमिकी के हवाले से बताया कि बांसडीह थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 16 वर्षीया किशोरी के साथ उसके सगे चाचा लालजी (45) ने 23/24 अगस्त की दरमियानी रात बलात्कार किया। उन्होंने बताया कि घटना के समय किशोरी घर पर अपने छोटे भाई और बहन के साथ सो रही थी, तभी छत के सहारे लालजी घर में घुस गया तथा जबरदस्ती उसके साथ बलात्कार किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के साथ फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

चंद्रशेखर के बिगड़े बोल, विधायक को जूते से पीटने की कही बात

कानपुर। बसपा अध्यक्ष मायावती पर भाजपा विधायक राजेश चौधरी द्वारा की गई अमर्यादित टिप्पणी पर नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर रावण के बोल बिगड़ गये। उन्होंने कहा बहन मायावती हमारी आदर्श और नेता है। उनका अपमान आजाद पार्टी के कार्यकर्ता बदार्शत नहीं करेंगे। भाजपा के कुछ नेताओं का दिमाग खराब हो चुका है। ऐसे विधायक को जूते से पीटना चाहिए। बांदा में बीपी मंडल और रामस्वरूप वर्मा की जयंती पर आयोजित सामाजिक न्याय सम्मेलन में भाग लेने के बाद वापस लौटते हुए कानपुर में आजाद समाज पार्टी प्रमुख चंद्रशेखर रावण मीडिया से मुखातिब हुए।

सीएम को सिर्फ दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव तक सीमित किया : सपा सांसद

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'दिल्ली वाले लोगों' ने पूरे राज्य का मुख्यमंत्री होने के बावजूद योगी आदित्यनाथ को सिर्फ मिल्कीपुर और कटेहरी विधानसभा सीटों के उपचुनाव तक सीमित कर दिया है। प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि मुख्यमंत्री के खिलाफ मंसूबा रखने वाले भाजपा के लोग यह जानते हैं कि उनकी पार्टी मिल्कीपुर और कटेहरी विधानसभा उपचुनाव बुरी तरह हारेगी, इसीलिए आदित्यनाथ को इन सीटों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा, 'मुझे अफसोस है कि यह दिल्ली वाले जो भाजपा के लोग हैं, पता नहीं वह हमारे बाबा मुख्यमंत्री के खिलाफ क्यों हैं। वह (आदित्यनाथ) पूरे प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और चुनाव के समय वह देश के तमाम राज्यों में जाते हैं, लेकिन उनका कद इतना छोटा कर दिया गया है कि उन्हें केवल दो विधानसभा क्षेत्रों मिल्कीपुर और कटेहरी तक ही सीमित कर दिया गया है।' प्रसाद ने कहा, 'यह दिल्ली वाले जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी मिल्कीपुर से बहुत वोट से हारेगी और कटेहरी से भी हारेगी, तो जानबूझकर उन्हें इन दोनों जगह की जिम्मेदारी सौंपी है। हमें दिल्ली वालों का कोई मंसूबा लगता है। हमारे सीधे-सादे बाबा मुख्यमंत्री के खिलाफ उनके मन में भाव है, क्योंकि वे जानते हैं कि यह उपचुनाव भाजपा हारेगी और बहुत बुरी तरह से हारेगी तो दिल्ली वालों को कुछ करने का मौका मिलेगा।'

'मिल्कीपुर उपचुनाव को योगी बनाम अवधेश प्रसाद बना दिया गया'

उन्होंने कहा, 'मिल्कीपुर उपचुनाव को योगी बनाम अवधेश प्रसाद बना दिया गया है। अवधेश प्रसाद अकेले नहीं हैं। उनके साथ जनता है।वहां सभी जाति और बिरादरी के लोग साथ में हैं। भाजपा बुरी तरह से हारेगी।' सपा सांसद ने कहा, 'उपचुनाव तो 10 सीटों पर होने हैं लेकिन भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को राष्ट्रीय चुनाव मानकर लड़ रही है और भाजपा फैजाबाद जो मर्यादा पुरुषोत्तम की धरती है, वहां से हारी है और वहां की महान जनता में देव तुल्य मतदाताओं में इस बात का संदेश पूरे देश और दुनिया में दिया है कि इस देश में अब धर्म पर आधारित राजनीति नहीं चलेगी अब राजनीति चलेगी। भाईचारे की और संविधान बचाने की राजनीति चलेगी।' मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने बेटे अजीत कुमार की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर प्रसाद ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं देते हुए कहा, 'लोगों को पता है कि कौन लड़ेगा। उसकी तैयारी हो रही है।' उन्होंने कहा, 'मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र से कार्यकर्ता आए थे। उनमें हर जाति और बिरादरी के लोग शामिल थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के विचारों से उनको काफी ऊर्जा मिली है।' मिल्कीपुर विधानसभा सीट अवधेश प्रसाद के फैजाबाद से सांसद चुने जाने के बाद उनके विधानसभा से इस्तीफा के बाद रिक्त हुई है। प्रदेश में मिल्कीपुर समेत 10 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने हैं। हालांकि उपचुनाव का कार्यक्रम अभी घोषित नहीं हुआ है।

दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन मामले में तीन भाई गिरफ्तार

एजेंसी । अमेठी

रामगंज थाना क्षेत्र में बीते माह एक लड़की को अगवा कर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने के मामले में पुलिस ने रविवार को तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। ये तीनों सगे भाई हैं।

पीड़ित परिवार की तहरीर पर शनिवार की रात को पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। युवती ने गांव की ग्राम प्रधान के पति देवराज गुप्ता आजाद, मुंशीरजा, मोहम्मद मंसूर अब्दुल और मजीद को नामजद किया था। उसने बताया कि देवराज, मुंशीरजा और मोहम्मद मंसूर ने अब्दुल मजीद के सहयोग से मुझे बहला—फुसला कर भगा ले गए। जहां पर आजाद ने पहले से एक शपथ पत्र तैयार कर रखा था और उससे उस पर जबरन हस्ताक्षर भी करवा लिया। आजाद उसके भाई और पिता ने इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया। आजाद ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया और धमकाया कि पुलिस से शिकायत करने पर उसे और उसके परिवार वालों को मार दिया जाएगा। प्रभारी निरीक्षक अजयेंद्र कुमार ने बताया कि युवती की तहरीर पर अपहरण, दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के मामले में मुकदमा दर्ज कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

दलित छात्रा से प्रधानाध्यापक ने अश्लील हरकत की, प्राथमिकी दर्ज

एजेंसी । प्रतापगढ़

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा थाना पुलिस ने एक उच्च प्राथमिक विद्यालय की नाबालिग दलित छात्रा के साथ अश्लील हरकत करने के आरोप में प्रधानाध्यापक के विरुद्ध रविवार को प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने यह जानकारी दी। सदर पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अमरनाथ गुप्ता ने रविवार को बताया कि थाना जेठवारा क्षेत्र के विकास खण्ड लक्ष्मणपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय गुलाब राय की कक्षा छह की एक ग्यारह वर्षीय छात्रा शनिवार को विद्यालय से रोते हुए घर पहुंची और परिजनों को बताया कि प्रधानाध्यापक अनिल कुमार शुक्ला ने उसको अलग कमरे में बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकत की। उन्होंने बताया कि परिजनों ने इसकी शिकायत पुलिस से की, सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दिया। सीओ ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर प्रधानाध्यापक अनिल कुमार शुक्ला के विरुद्ध संबंधित धाराओं समेत पॉक्सो अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

ट्रेन से कटा हुआ प्रेमी-प्रेमिका का शव बरामद

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के चिलबिला स्टेशन के प्लेटफार्म के निकट रविवार की सुबह ट्रेन से कटा हुआ एक युवक-युवती का शव बरामद किया गया, जो प्रेमी-प्रेमिका बताये गए हैं। पुलिस ने यह जानकारी दी। नगर पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) शिव नारायण वैस ने रविवार को बताया कि चिलबिला रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म के निकट रविवार की सुबह ट्रेन से कटा हुआ युवक एवं युवती का शव बरामद किया गया, जिनकी पहचान राजेंद्र सरोज (28) निवासी बड़ागांव थाना संग्रामपुर जिला अमेठी व ममता सरोज (22) निवासी पिचूरा थाना सांगीपुर जिला प्रतापगढ़ के रूप में की गयी। सीओ ने पुलिस छानबीन के आधार पर बताया कि दोनों प्रेमी प्रेमिका थे, जिन्होंने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है 1 ममता दर्शन करने और राजेंद्र पुलिस में भर्ती के बहाने घर से निकले थे, स्टेशन पर लोगों ने दोनों को घूमते देखा भी था 1

स्मैक के साथ शातिर लुटेरा गिरफ्तार

अमेठी। नशा मुक्त अमेठी अभियान के अंतर्गत जिले के कमरौली थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार की टीम ने रविवार को लाखों की स्मैक के साथ लुटेरे अभिषेक सिंह (23) पुत्र समर बहादुर सिंह को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि, गिरफ्तार युवक पड़ोसी जनपद बाराबंकी के सुबेहा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिलंद का पुरवा मजरे कोड़वा का निवासी है। यह नशे का व्यापार के साथ-साथ लूट की घटना को भी अंजाम देता था। इसके ऊपर अमेठी जनपद में लूट सहित विभिन्न धाराओं में कुल पांच मुकदमे दर्ज हैं। जबकि बाराबंकी जनपद में भी लूट, एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य गम्भीर धाराओं में कुल 4 मुकदमे पंजीकृत हैं। इस प्रकार इसके ऊपर पूर्व में ही कुल 9 मुकदमे पंजीकृत हैं। कमरौली थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि इस शातिर अपराधी की अमेठी पुलिस को लम्बे समय से तलाश थी। आज मुखबिर की सूचना पर बनभरिया नाला पुलिया के पास से दिन में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह लुटेरा बिना नंबर के जिस बाइक से आ रहा था उस बाइक का कागज भी उसके पास नहीं था। तलाशी के दौरान अभियुक्त के पास से लाखों रुपए कीमत का स्मैक बरामद किया गया। इसकी गिरफ्तारी और बरामदगी के सम्बंध में कमरौली पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

व्यापार जगत

जीडीपी आंकड़ें, वैश्विक संकेतों से तय होगी बाजार की चाल: विश्लेषक

एजेंसी । नई दिल्ली

इस सप्ताह जारी होने वाले जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) आंकड़े समेत प्रमुख वृहत आर्थिक आंकड़े, वायदा एवं विकल्प खंड में मासिक सौदों के निपटाने और वैश्विक संकेतों से बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने रविवार को यह कहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल की टिप्पणियों का भी बाजार पर असर दिखने को मिल सकता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, 'इस सप्ताह, हमारा अनुमान है कि शेयर-विशिष्ट गतिविधियों के साथ बाजार में धीरे-धीरे तेजी देखने को मिलेगी। निवेशकों की नजर वायदा एवं विकल्प कारोबार में मासिक सौदों के निपटान के साथ-साथ वैश्विक संकेतों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि बाजार मंगलवार को जैक्सन होल संगोष्ठि

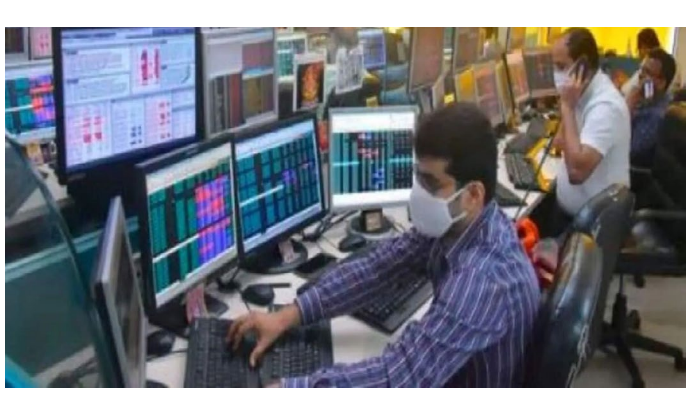

में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देगा। पॉवेल ने शुक्रवार को संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक सितंबर की बैठक में अपनी ब्याज दर में कटौती करेगा। पॉवेल ने अपने संबोधन में भविष्य में ब्याज दर में कटौती के लिए आधार तैयार किया। उन्होंने कहा, 'नीति को समायोजित करने का समय आ गया है।' एक्सिस सिक्योरिटीज पीएमएस के मुख्य निवेश अधिकारी नवीन कुलकर्णी ने कहा, 'बाजार सितंबर में फेडरल रिजर्व की अगली बैठक के दौरान ब्याज दर में कटौती की उम्मीद कर रहा है। नौकरियों के कमजोर आंकड़ों के बीच ऐसे संकेत हैं कि नीतिगत दर में कटौती की गति तेज हो सकती है।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, पॉवेल का मानना है कि निकट भविष्य में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी आने की संभावना बहुत कम है। इसका मतलब है कि नीतिगत दर में कटौती आम सहमति के अनुरूप होगी और दर में अधिक कटौती की संभावना कम हो सकती है।' फेड प्रमुख के संबोधन के बाद अमेरिकी बाजारों में तेजी रही और शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह वायदा एवं विकल्प खंड में सौदों के मासिक निपटान के कारण व्यापारियों को अगले सत्रों में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। बीते सप्ताह, बीएसई सेंसेक्स में 649.37 अंक यानी 0.80 प्रतिशत की तेजी रही। एनएसई निफ्टी भी 282 अंक यानी 1.1 प्रतिशत की बढ़त में रहा। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'सकारात्मक अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से इस सप्ताह भारतीय बाजार में तेजी जारी रही है। अमेरिकी आंकड़े से अमेरिकी मंदी की आशंका कम हुई है।

सेबी के आदेश की समीक्षा कर रहे अनिल अंबानी, उठाएंगे उचित कदमः प्रवक्ता

एजेंसी । नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अंबानी पूंजी बाजार नियामक सेबी के आदेश की समीक्षा कर रहे हैं। वे कानूनी सलाह के आधार पर उचित कदम उठाएंगे। उनके प्रवक्ता ने रविवार को यह कहा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अनिल अंबानी को पूंजी बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। प्रवक्ता ने बयान में कहा कि रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) से जुड़े एक मामले में सेबी के 11 अगस्त, 2022 के अंतरिम आदेश का पालन करने के लिए अंबानी ने रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और रिलायंस पावर लिमिटेड के निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दिया था। बयान के अनुसार, वह 'पिछले ढाई वर्षों से उक्त अंतरिम आदेश (11 फरवरी, 2022 के) का अनुपालन कर रहे हैं। सेबी ने 22

अगस्त को दिए आदेश में अनिल अंबानी और 24 अन्य को धन की हेराफेरी के आरोप में प्रतिभूति बाजार से पांच साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। प्रवक्ता ने कहा, 'अनिल अंबानी उक्त मामले में सेबी द्वारा पारित 22 अगस्त, 2024 के अंतिम आदेश की समीक्षा कर रहे हैं और कानूनी सलाह के अनुसार अगला कदम उठाएंगे।' सेबी ने अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया था और कहा था कि उन्होंने रिलायंस होम फाइनेंस से धन की हेराफेरी करने की योजना बनाई थी। रिलायंस होम फाइनेंस, रिलायंस समूह की एक सूचीबद्ध अनुषंगी कंपनी है जिसके वे चेयरमैन हैं। प्रतिबंध के तहत अनिल और अन्य 24 इकाइयां प्रतिभूति बाजार में लेन-देन नहीं कर पाएंगे।

सुरक्षा समूह ने जेपी इंफ्राटेक में 250 करोड़ रुपए लगाए

20 हजार फ्लैट पूरे करने को ऋण सुविधा मिली

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी सुरक्षा समूह ने दिवाला प्रक्रिया के जरिये जेपी इंफ्राटेक का अधिग्रहण करने के बाद उसमें 250 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर में लगभग 20,000 अधूरे फ्लैटों को पूरा करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा भी हासिल की है। जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की बही-खाते में लगभग 1,000 करोड़ रुपये नकद पड़े हैं, जो दिवाला कंपनी ने रियल एस्टेट कारोबार और ग्रेटर नोएडा तथा आगरा को जोड़ने वाले यमुना एक्सप्रेसवे की टोल आय से जमा किए हैं। सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा समूह ने जून की शुरुआत में जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) का नियंत्रण लेने के बाद इक्विटी और ऋण के रूप में इसमें 250 करोड़ रुपये डाले हैं। जेआईएल के पास फिलहाल 1,250 करोड़ रुपये का फंड है, जिसमें 1,000 करोड़ रुपये की आंतरिक नकदी और सुरक्षा समूह से 250 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सुरक्षा समूह ने 3,000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा का इंतजाम भी किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी रुकी हुई परियोजनाओं को पूरा करने के लिए धन की कमी न हो।

एफपीसीई ने बिल्डर-खरीदार विवाद के लिए मंच गठित करने के महारेरा के कदम पर सवाल उठाए

नई दिल्ली। घर खरीदारों के संगठन एफपीसीई ने बिल्डरों और ग्राहकों के बीच विवाद निपटाने के लिए सुलह मंच का गठन करने और उसका हिस्सा बनने के महाराष्ट्र रियल एस्टेट नियामक महारेरा के फैसले पर सवाल उठाए हैं। एफपीसीई ने कहा कि कानून ऐसा करने की शक्ति नहीं देता है और इस कदम से हितों के टकराव की आशंका हो सकती है। फोरम फॉर पीपुल्स कलेक्टिव एफर्ट्स (एफपीसीई) के अध्यक्ष अभय उपाध्याय ने इस संबंध में 19 अगस्त को केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव सतिंदर पाल सिंह को एक पत्र भी लिखा है। उन्होंने पत्र में महारेरा द्वारा गठित सुलह मंच और इसकी 'संदिग्ध कार्यप्रणाली' पर आपत्ति जताई है। एसोसिएशन ने मंत्रालय से इस मंच के गठन, इसकी कार्यप्रणाली और पारित आदेशों की जांच करने को कहा है, ताकि पता लगाया जा सके कि मंच बिल्डरों का पक्ष ले रहा है या नहीं। महाराष्ट्र रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (महारेरा) ने रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम 2016 (रेरा) की धारा 32 के तहत रियल एस्टेट परियोजनाओं के प्रवर्तकों और आवंटी के बीच विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए सुलह मंच का गठन किया है।

पैरा टेबल टेनिस स्टार भाविना पटेल ने कहा, चीनी खिलाड़ी अजेय नहीं

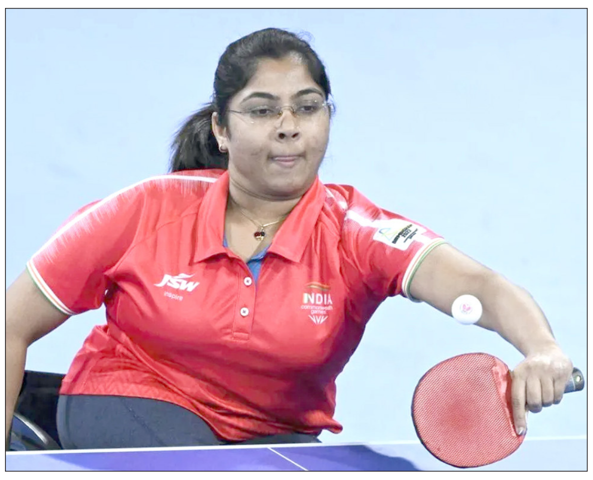

एजेंसी । नई दिल्ली

तोक्यो पैरालंपिक में टेबल टेनिस में रजत पदक विजेता भाविना पटेल 28 अगस्त से शुरू हो रहे पेरिस पैरालंपिक में चीन के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि उनका कहना है कि वे अजेय नहीं हैं। तोक्यो पैरालंपिक में क्लास 4 स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी भाविना ने पेरिस के लिए रवाना होने से पहले कहा कि वह टेबल टेनिस में चीनी वर्चस्व को चुनौती देना चाहेंगी क्योंकि वे भी 'इंसान' हैं। भाविना ने रविवार को कहा, 'चीनी खिलाड़ी भी इंसान हैं और हम भी इंसान हैं। चीन मेरे लिए मायने नहीं रखता बल्कि तोक्यो में भी मैंने चीन की एक खिलाड़ी को हराया था इसलिए मुझ पर उनसे भिड़ने का कोई दबाव नहीं है।' उन्होंने कहा, 'मैंने उनके अनुसार अपनी रणनीति बदल ली है इसलिए मैं उस दिन उनके खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ रणनीति अपनाऊंगी।' गुजरात के मेहसाणा की टेबल टेनिस खिलाड़ी ने कहा कि उनका एकमात्र ध्यान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर होगा।

'मुझे बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना है'

राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन और एशियाई खेलों की पदक विजेता भाविना ने कहा, 'मुझे किसी तरह की घबराहट नहीं है। मुझे बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। मेरा मानना है कि जब हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बारे में सोचते हैं तो कुछ और दिमाग में नहीं आता है। उनकी युगल जोड़ीदार सोनलबेन पटेल ने कहा, 'भाविना और मैंने जोड़ीदार के रूप में अपनी ट्रेनिंग में दोगुना प्रयास किया है और हम पदक के साथ घर लौटने की पूरी कोशिश करेंगे।' तोक्यो पैरालंपिक में पुरुष एकल बैडमिंटन एसएच6 स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा नागर ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि पेरिस में सब कुछ ठीक रहेगा और मैं भारत के लिए फिर से स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करूंगा। मैं तोक्यो में अपना स्वर्ण पदक बचाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा। तैयारियां अच्छी रहीं हैं। मैं सकारात्मक हूं और अच्छा खेलने की कोशिश करूंगा।' गोला फेंक पैरा एथलीट सचिन खिलाड़ी पैरालंपिक में पर्दापण करेंगे और उन्हें खुद से स्वर्ण पदक की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत उत्साहित हूं, पैरालंपिक के लिए मेरी तैयारी डेढ़ साल से चल रही थी। मैंने विश्व चैम्पियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया और मुझे खुद से स्वर्ण पदक की उम्मीद है क्योंकि मैंने इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की है।' चक्का फेंक एथलीट साक्षी कसाना ने कहा, 'मैंने इस पल को साकार करने के लिए अथक परिश्रम किया है क्योंकि पैरालंपिक में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना किसी भी एथलीट के लिए सबसे बड़ी बात है इसलिए मुझे उम्मीद है कि मेरी चार साल की कड़ी मेहनत रंग लाएगी।' भारत ने 28 अगस्त से आठ सितंबर तक पेरिस में होने वाले पैरालंपिक के लिए 84 सदस्यीय दल भेजा है जो अब तक का सबसे बड़ा दल है।

बांग्लादेश की पाकिस्तान पर 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत

एजेंसी । रावलपिंडी

बांग्लादेश ने स्वदेश में राजनीतिक अशांति के बीच रविवार को यहां पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रचा। पाकिस्तान की टीम अपनी दूसरी पारी में 146 रन पर ढेर हो गई और इस तरह से उसने बांग्लादेश के सामने 30 रन का लक्ष्य रखा। बांग्लादेश ने पांचवें दिन चाय के विश्राम से पहले ही केवल 6.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करके पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन 15 और शादमान इस्लाम नौ बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले बांग्लादेश के तेज गेंदबाजों ने पाकिस्तान के शीर्ष क्रम को थर्राया जबकि ऑफ स्पिनर मेहदी हसन मिराज (21 रन देकर चार विकेट) और बाएं हाथ के स्पिनर शाकिब अल हसन (44 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर सात विकेट हासिल किए। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ 14 टेस्ट मैच में अपनी पहली जीत हासिल की। यह विदेशी धरती पर उसकी केवल सातवीं जीत है। न्यूजीलैंड को 2022 में उसकी धरती पर हराने के बाद बांग्लादेश की यह विदेशी धरती पर पहली जीत है। पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी छह विकेट पर 448 रन बनाकर समाप्त घोषित कर दी थी। बांग्लादेश ने इसके जवाब में 565 रन बनाकर 117 रन की बढ़त हासिल की थी। पाकिस्तान ने सुबह अपनी दूसरी पारी एक विकेट पर 23 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने नियमित अंतराल में विकेट गवाएं। पहली पारी में 171 रन बनाने वाले मोहम्मद रिजवान ने दूसरी पारी में भी सर्वाधिक 51 रन बनाए लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई मदद नहीं मिली। पाकिस्तान के केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे। इनमें रिजवान के अलावा सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक (37), पूर्व कप्तान बाबर आजम (22) और मौजूदा कप्तान शान मसूद (14) शामिल हैं।

सिंधू जैसी प्रतिभाशाली है 13 वर्षीय तन्वी: विमल कुमार

एजेंसी । नई दिल्ली

ओडिशा की रहने वाली तेरह वर्षीय तन्वी पत्री ने चीन के चेंग्दू में बैडमिंटन एशिया अंडर-17 एवं अंडर-15 प्रतियोगिता में अंडर-15 वर्ग में लड़कियों का एकल खिताब जीतकर भारत की सबसे होनहार बैडमिंटन प्रतिभाओं में से एक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। तन्वी ने इस टूर्नामेंट में पूरे सप्ताह अच्छा प्रदर्शन किया तथा 34 मिनट तक चले फाइनल में वियतनाम की दूसरी वरीयता प्राप्त थी थू हुयेन गुयेन को 22-20, 21-11 से हराया। तन्वी ने बातचीत में कहा, 'खिताब जीतने के बाद मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मुझे जीत की उम्मीद थी और मुझे खुशी है कि मैं ऐसा करने में सफल रही। मैं पिछले दो वर्षों से बेंगलुरु में प्रकाश पदुकोण बैडमिंटन अकादमी (पीपीबीए) में प्रशिक्षण ले रही हूं।' उनके माता-पिता, रबीनारायण पत्री और शैलबाला पांडा, सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वे पहले चीन में काम करते थे जहां तन्वी ने बैडमिंटन खेलना शुरू किया था। कोविड महामारी के कारण यह परिवार 2020 में भारत लौट आया था। पीपीबीए के निदेशक विमल कुमार तन्वी में बहुत संभावनाएं देखते हैं, यहां तक कि उनकी तुलना भारत की सबसे प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ियों में से एक पी वी सिंधू के शुरुआती दिनों से भी की जाती है। विमल ने कहा, 'वह लगभग आठ या नौ साल की थी जब वह भारत आई और 2022 में अकादमी से जुड़ी। वह मुझे सिंधू की याद दिलाती है जब वह जूनियर वर्ग में खेला करती थी। कम उम्र में मैच जीतने की क्षमता अच्छा संकेत है। उसे अभी लंबा सफर तय करना है लेकिन जिस तरह से वह खेलती है उसे देखते हुए उसमें काफी संभावनाएं हैं।' उन्होंने कहा, 'वह अपने आयु वर्ग के खिलाड़ियों से काफी आगे हैं।

उत्तर प्रदेश के चंदन और नासिक की रवीना ने मुंबई हाफ मैराथन जीती

दोपहर संवाददाता । मुंबई

उत्तर प्रदेश के बडोही जिले के कॉलेज छात्र चंदन यादव और महाराष्ट्र के नासिक की रहने वाली रवीना गायकवाड़ ने रविवार को यहां आठवें एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस मुंबई हाफ मैराथन 2024 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते।इससे पहले कई बार पोडियम पर पहुंचने वाले 21 वर्ष के चंदन ने फिनिश लाइन से आधा किलोमीटर पहले अपनी गति बढ़ाई तथा एक घंटा 11.01 मिनट का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया। नीतीश कुमार एक घंटा 11.54 मिनट के साथ दूसरे जबकि पीयूष मसाने एक घंटा 13.20 मिनट के साथ तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में 19 वर्षीय रवीना ने 21 किलोमीटर की दौड़ में अपने पदार्पण को यादगार बनाते हुए एक घंटा 27.43 मिनट का समय लेकर आसानी से जीत हासिल की। वह सेनिट लेशार्ज (एक घंटा 29.41) से लगभग दो मिनट आगे रही। रुक्मणी भौरे ने एक घंटा 31.23 मिनट के साथ कांस्य पदक जीता। दिग्गज क्रिकेटर और प्रायोजक के ब्रांड एंबेसडर सचिन तेंदुलकर ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। पुरुषों की 10 किमी में युवराज यादव ने 31.50 मिनट में दौड़ पूरी की, जबकि मनीष कुमार नायक ने 32.14 मिनट का समय लेकर रजत और अमित माली ने 33.25 मिनट के समय के साथ कांस्य पदक जीता। महिला वर्ग में सोनाली देसाई ने 39.47 मिनट का समय लेकर लगातार दूसरे साल पहला स्थान हासिल किया।

निशानेबाज मनु भाकर का उनके गांव में स्वागत

एजेंसी । चडीगढ़

पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर रविवार को हरियाणा के झज्जर जिले में अपने गांव गोरिया पहुंचीं जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। मनु ने पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीते थे। मनु (22) स्वतंत्रता के बाद के युग में एक ही ओलंपिक खेलों में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट हैं। गांव पहुंचने पर उनका स्वागत फूल मालाओं से किया गया। वह अपने गांव के स्कूल भी गईं। इस अवसर पर मनु ने गांव में एक स्टेडियम और एक शूटिंग रेंज स्थापित करने की वकालत की। अपने माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पहुंची मनु ने बधाई देने के लिए आने वाले ग्रामीणों का धन्यवाद किया। रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा और झज्जर की विधायक गीता भुक्कल भी भाकर के स्वागत के लिए कार्यक्रम में मौजूद थीं। हुड्डा ने ओलंपिक में मनु की उपलब्धि की सराहना की।

बॉलीवुड के इन गानों में मचती हैं जन्माष्टमी की धूम

देशभर में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव यानि जन्माष्टमी 26 अगस्त दिन सोमवार को मनाई जाने वाली है। इस दिन कान्हा के जन्मदिन की जहां पर काफी धूम होती हैं वहीं पर घरों और मंदिरों में लोग कान्हा जी के जन्म की पूजा विधि विधान के साथ करते ही है। इस मौके पर घरों और स्कूलों में बच्चों के लिए कार्यक्रम आयोजित होते हैं जिसमें बच्चें कान्हा बनकर बॉलीवुड के गानों पर थिरकते हैं। ऐसे ही इन गानों की याद आई हैं तो जन्माष्टमी की बात की जाए और बॉलीवुड के इन गानों की नहीं तो त्योहार पूरा नहीं होता है। बॉलीवुड के धमाकेदार इन गानों में जन्माष्टमी की धूम नजर आती हैं और कान्हा के रंग में रंगने का मौका बेहद खास होता है।

सुनकर कान्हा की भक्ति में हो जाएंगे आप लीन

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के इन गानों को कीजिए याद

जन्माष्टमी पर सबसे बेहतरीन गानों में इन गानों को आज भी जन्माष्टमी के मौके पर बजाया जाता हैं और लोग बड़े ही शानदार तरीके से झूमते नजर आते है।

यशोदा का नंदलाला

फिल्म संजोग का यह गाना जन्माष्टमी के सदाबहार गानों में से एक हैं जो माता यशोदा और कान्हा जी के प्रेम को दर्शाता है।

गोविंदा आला रे आला

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में फिल्म 'ब्लफ मास्टर' का ये गाना भी जन्माष्टमी और दही हांड़ी के लिए एकदम परफेक्ट है जहां पर यहां इसमें सभी को दही हांडी मनाते हुए देखा जा सकता है।

मच गया शोर सारी नगरी में

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में अमिताभ बच्चन की फिल्म 'खुद्दार' का सॉन्ग 'मच गया शोर सारी नगरी में' कृष्ण जन्माष्टमी के लिए बनाया गया था। इसमें अमिताभ बच्चन दही हांडी फोड़ते भी नजर आते हैं।

राधा कैसे ना जले

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की सुपरहिट फिल्म 'लगान' का गाना 'राधा कैसे ना जलें' ने भी लोगों के दिलों में एक खास जगह बनाई थी।

वो किसना है

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में कृष्ण जन्माष्टमी पर ये यह गाना विवेक ओबरॉय और ईशा शरवानी की फिल्म 'किसनाः द वारियर पोएट' का है। इसके सॉन्ग वो किसना है से आप अपना त्योहर धूमधाम से मना सकते हैं।

मैया यशोदा

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में मैया यशोदा सलमान खान की सुपरहिट फिल्म 'हम साथ साथ हैं' का सुपरहिट गाना हैं इसे सुनकर थिरकने का दिल करता है।

चांदी की डाल पर सोने का मोर

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में सलमान खान और रानी मुखर्जी स्टारर फिल्म 'हैलो ब्रदर' का यह गाना चांदी की डाल पर सोने का मोर दही हांडी के जश्न को और बढ़ा देता हैं।

गो गो गोविंदा

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में फिल्म 'ओह माय गॉड' का सोनाक्षी सिन्हा और प्रभू देवा का सॉन्ग गो गो गोविंदा काफी पसंद किया जाता हैं। इस गाने में सोनाक्षी और प्रभू ने जबरदस्त डांस किया है।

कान्हा सो जा जरा

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में जन्माष्टमी के गानों में साउथ स्टार प्रभास और अनुष्का शेट्टी की फिल्म का यह गाना काफी पसंद किया जाता है।

मैया यशोदा जमुना के तट पर

जन्माष्टमी पर बॉलीवुड के गानों में फिल्म झूठा ही सही के गाने मैया यशोदा जमुना के तट पर काफी पसंद किया जाता है। इस गाने में बॉलीवुड एक्टर जॉन अब्राहम नजर आए थे।

कंगना रनौत ओटीटी कंटेंट पर चाहती हैं सेंसरशिप, कहा- 'ये काफी हिंसक...'

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की साल 2024 की पहली फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। कंगना दर्शकों के लिए इमरजेंसी फिल्म लेकर आनेवाली हैं। इन दिनों एक्ट्रेस फिल्म के प्रमोशन के लिए इंटरव्यू में व्यस्त हैं। ऐसी ही एक इंटरव्यू में कंगना रनौत ने ओटीटी कंटेंट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ओटीटी कंटेंट पर सेंसरशिप की मांग की है। कंगना ने कहा कि ओटीटी कंटेंट बहुत ही ज्यादा हिंसक हो गया है।

ओटीटी कंटेंट पर क्या बोलीं कंगना रनौत

टाइम्स ऑफ इंडिया से खास बातचीत में कंगना रनौत ने ओटीटी कंटेंट को लेकर चिंता व्यक्त की है। साथ ही, उन्होंने कहा कि ओटीटी कंटेट पर भी सेसरशिप होनी चाहिए। उन्होंने इस ओर ध्यान दिलाया कि कैसे ओटीटी कंटेट पर ज्यादा से ज्यादा लोग हिंसक और विचलित करने वाले शो देख रहे हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को और ज्यादा वस्तु के रूप में देखा जाने लगा है।

सेंसरशिप पर क्या बोलीं कंगना

कंगना रनौत ने कहा कि इन प्लेटफॉर्म पर कंटेट बहुत हिंसक हो गया है, खासकर जब लोग हेडफोन लगाकर अकेले देखते हैं। कंगना का मानना है कि इसी वजह से महिलाओं का ऑब्जेक्टिफिकेशन काफी बढ़ गया है। कंगना ने कहा कि ऑनलाइन शो, जिसमें यूट्यूब भी शामिल है, को सेंसर होना चाहिए। कंगना ने आगे कहा कि कई देशों ने ऐसा किया है और इस मामले में वह कम से कम भारत से बेहतर हैं। कंगना ने कहा कि भारत में जिस तरह के लिए मामले हो रहे हैं, वो सभी के लिए चिंताजनक हैं।

कब रिलीज हो रही है फिल्म?

कंगना रनौत की फिल्म 06 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना इस फिल्म में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाएंगी। इस फिल्म में कंगना के अलावा श्रेयस तलपड़े, मिलिंद सोमन, महिमा चौधरी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

फिल्म डायरेक्टर रंजीत ने केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

मलयाली फिल्म जगत से बड़ी खबर सामने आई हैं जहां पर फिल्म डायरेक्टर रंजीत ने केरल चलचित्र अकादमी के अध्यक्ष पद से आज रविवार को इस्तीफा दे दिया। वे मलयालम फिल्म बनाने के लिए जाने जाते हैं हाल ही में बांग्ला फिल्मों में काम करने वाली एक अभिनेत्री द्वारा लगाए गए दुर्व्यवहार के आरोपों में फंस गए है।

आरोपों के साथ पद में नहीं रहना चाहते

एक टीवी चैनल को भेजे गए ऑडियो क्लिप में रंजीत ने कहा कि अब वह इस पद पर नहीं बने रहना चाहते हैं क्योंकि इससे राज्य की वामपंथी सरकार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने खिलाफ लगे आरोपों का कानूनी तरीके से मुकाबला करेंगे।

अभिनेत्री ने लगाया था ये आरोप

आपको बताते चलें कि, अभिनेत्री ने हाल में आरोप लगाया था कि जब वह रंजीत के निर्देशन में बनाई जा रही एक फिल्म की शूटिंग करने के लिए आई थीं तो फिल्मकार ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया था। इस खबर से मलयाली सिनेमा जगत में यह खबर बड़े ही प्रमुखता से छा गई थी। हालांकि रंजीत ने अभिनेत्री के इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि वह खुद इस मामले में 'असली पीड़ित' हैं। आपको बताते चलें कि, फिल्म डायरेक्टर रंजीत के अलावा यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद अभिनेता सिद्दीक ने मलयालम सिनेमा की संस्था 'एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स' (एएमएमए) के महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद सिद्दीक ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि उन्होंने अपना इस्तीफा संस्था के अध्यक्ष मोहनलाल को भेज दिया है। उन्होंने कहा, ''हां, मैंने अपना आधिकारिक त्यागपत्र संस्था के अध्यक्ष मोहनलाल को भेज दिया है।

बॉक्स ऑफिस पर जारी है 'स्त्री 2' का भौकाल

अमर कौशिक के निर्देशन में बनी 'स्त्री 2' ने 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक दी है। ये फिल्म हर दिन कमाई के नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म 'स्त्री 2' में दोनों की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। पहली फिल्म की तरह ही 'स्त्री 2' की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। इस फिल्म में ओपनिंग डे पर बम्पर कमाई की थी। वहीं, अब फिल्म रिलीज के 11 दिन बाद भी 'स्त्री 2' की कमाई थमने का नाम ही नहीं ले रही है। आज फिल्म को रिलीज हुए 11 दिन हो गए हैं। ऐसे में अब 'स्त्री 2' के बॉक्स ऑफिस के रविवार के शुरुआती आंकड़े सामने आ चुके हैं। आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक कितना कलेक्शन कर लिया है।

11 दिनों में ही छप्पर फाड़ कमाई कर डाली

'स्त्री' के पहले पार्ट में दर्शकों को डराने के बाद अब 'स्त्री 2' का खौफ फिर से दर्शकों पर साफ देखा गया, मतलब इसकी कहानी काफी पसंद की जा रही हे। राजकुमार और श्रद्धा कपूर की फिल्म के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की 'वेद' और अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' रिलीज हुई थी। 'स्त्री 2' की आंधी में ये दोनों ही फिल्में उड़ गई हैं। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 51.8 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। इसके ओपनिंग डे कलेक्शन ने कई फिल्मों को कमाई के मामले में पीछे कर दिया। ऐसे में अब फिल्म के रविवार के शुरुआती आंकड़े सामने आ चुके हैं। Sacnilk की अर्ली रिपोर्ट के अनुसार 'स्त्री 2' ने 11वें दिन खबर लिखने तक 10.78 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म के टोटल कलेक्शन की बात करें तो इसने अब तक 352.93 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। उम्मीद है कि फाइनल रिपोर्ट आने तक इसकी कमाई और भी बेहतर होगी।

न्यूज़ ब्रीफ

'सार्वजनिक माफी मांगें या प्रस्ताव वापस लें', कपिल सिब्बल को चेतावनी?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से कोलकाता दुष्कर्म हत्याकांड पर एक प्रस्ताव जारी करने को लेकर कपिल सिब्बल विवादों में घिर गए हैं। कपिल सिब्बल के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष आदिश सी अग्रवाल ने कहा है कि या तो सिब्बल प्रस्ताव वापस लें या फिर प्रत्येक सदस्य से सार्वजनिक माफी मांगें। साथ ही आदिश अग्रवाल ने चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर कपिल सिब्ब्ल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के वर्तमान अध्यक्ष कपिल सिब्बल को लिखे पत्र में आदिश सी. अग्रवाल ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या से संबंधित एक प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

इंतजार खत्म! 16700 विधवा पेंशनधारकों के खातों में जल्द आएगी पेंश

कानपुर। 16700 विधवा पेंशनधारकों के खातों में जल्द पेंशन आ जाएगी। 4700 लाभार्थियों का डाटा साफ्टवेयर से उड़ गया था और 12 हजार महिलाओं ने खाता एनपीसीआइ (राष्ट्रीय भुगतान निगम) नहीं कराया था। इस कारण इनके खाते में पेंशन नहीं पहुंच रही थी। इस कारण यह पेंशनधारक कलक्ट्रेट स्थित जिला प्रोबेशन दफ्तर के चक्कर लगा रहे थे। जिले में 50 हजार निराश्रित महिलाओं को विधवा पेंशन मिलती है। लाभार्थी को हर माह एक हजार रुपए दिया जाता है। पेंशन लाभार्थियों को एनपीसीआइ के तहत बैंकों में आधार लिंक कराना है। सैकड़ों लाभार्थियों ने यह प्रक्रिया नहीं अपनाई। इसलिए उनके खातों में पेंशन नहीं पहुंच रही थी। ऐसे में हर रोज 10-12 लाभार्थी जिला प्रोबेशन अधिकारी के दफ्तर समस्या लेकर पहुंच रहे थे।

प्री-पेड मीटर नहीं लगाया तो काटी पूरे गांव की बिजली

पताही। पताही प्रखंड की गोनाही पंचायत के सुगापीपर गांव स्थित चौरिया टोला में प्री-पेड मीटर लगाने को लेकर उत्पन्न विवाद के कारण वहां की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। इस बात से नाराज ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। बिना सूचना ट्रांसफार्मर से कनेक्शन काटे जाने पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। इसके खिलाफ गांव के सैकड़ों स्त्री-पुरुष रविवार को सड़क पर उतर गए। पताही से शिवहर जाने वाली सड़क को सुगापीपर चौरिया टोला के समीप जाम कर दिया गया। सड़क पर टायर जलाते हुए बांस-बल्ला लगाकर आवागमन को पूरी तरह अवरूद्ध कर दिया गया। लोग घंटों विरोध प्रदर्शन करते रहे। इसकी जानकारी मिलने पर पताही थाना के दारोगा अजय कुमार सिंह पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। इसके बाद सड़क जाम हटाया गया।

रूस की खातिर चीन ने अमेरिका से लिया पंगा

बीजिंग। चीन ने यूक्रेन में रूस के युद्ध से कथित संबंधों को लेकर चीनी कंपनियों पर लगाए नए अमेरिकी प्रतिबंधों पर रविवार को विरोध जताया और कहा कि वह देश के व्यवसायों से जुड़े अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा। अमेरिका ने रूस और यूरोप, एशिया तथा पश्चिम एशिया में सैकड़ों कंपनियों पर प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए शुक्रवार को उन पर ऐसे उत्पाद तथा सेवाएं देने का आरोप लगाया जिससे रूस को युद्ध में मदद मिली और प्रतिबंधों से बचने में उसके समार्थ्य में इजाफा हुआ।

जम्मू-कश्मीर में चुनाव से पहले तेज हुई जुबानी जंग

अमित शाह की आलोचना पर उमर अब्दुल्ला ने किया पलटवार

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश की राजनीति परी तरह से गर्म हो गई है। चुनावी महौल हो और राजनीतिक पार्टियों में जुबानी मुठभेड़ ना हो ऐसा तो भारतीय राजनीति में संभव ही नहीं हो सकता है। यही हाल है जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक पार्टियों के बीच जहां एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने में ये दल एक मौका नहीं छोड़ रहे।बात हम जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (NC) पार्टी की घोषणा पत्र की कर रहे है जिसके लिए बीजेपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस की घोषणा पत्र पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आलोचना किया था जिसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने अमित शाह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं कि उन्होंने उनकी पार्टी के चुनाव घोषणापत्र पर ध्यान दिया।

अमित शाह पर किया कटाक्ष

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि वह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आभारी हैं कि उन्होंने उनकी पार्टी के चुनाव घोषणापत्र पर ध्यान दिया। अब्दुल्ला ने कहा कि जो लोग इसे पढ़ने के लिए तैयार नहीं थे, उन्हें अब इसे पढ़ने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अब्दुल्ला ने यहां पार्टी के एक समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा मैं अपने घोषणापत्र के बारे में बात करने के लिए गृह मंत्री का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। देश के दूरदराज इलाके में चुनाव लड़ रही एक छोटी सी पार्टी के लिए यह बहुत बड़ी बात है कि देश के गृह मंत्री ने हमारा घोषणापत्र देखा है।

अब्दुल्ला का आरोप

अब्दुल्ला ने कहा कि वह नेकां के घोषणापत्र पर ध्यान देने के लिए शाह के आभारी हैं। यह खेदजनक है कि गृह मंत्री ने हमारे घोषणापत्र में केवल एक पैराग्राफ देखा और उन्होंने कुछ ऐसी चीजों के बारे में भी बात की जो हमारे घोषणापत्र में नहीं हैं, जैसे नाम बदलना। मैंने गृह मंत्री के ट्वीट के बाद हमारे घोषणापत्र को फिर से पढ़ा, यह देखने के लिए कि क्या ऐसा (नाम बदलना) कुछ है, लेकिन इसमें इस बारे में बात नहीं की गई है। लेकिन, फिर भी मैं गृह मंत्री का आभारी हूं।

अमित शाह ने की आलोचना

घोषणा पत्र पर पलटवार करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को कभी बहाल नहीं किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के दो प्रमुख क्षेत्रीय दलों नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने-अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया है कि वे पांच अगस्त, 2019 को निरस्त किए गए अनुच्छेद 370 को बहाल करने के लिए काम करेंगे, जिसके बाद शाह ने यह टिप्पणी की है।

'धारा 370 का कई स्थान नहीं'

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान इस बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा अनुच्छेद 370 का जम्मू-कश्मीर में अब या कभी कोई स्थान नहीं रहा है। इसे कभी बहाल नहीं किया जाएगा। गृह मंत्री नक्सल प्रभावित राज्यों के शीर्ष असैन्य व सुरक्षा अधिकारियों की बैठक में भाग लेने के बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। जानकारी के लिए बता दें कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निरस्त करके जम्मू-कश्मीर को विभाजित कर दो केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का गठन किया था।

डॉक्टर हत्या मामले में एक्शन में सीबीआई

वित्तीय गड़बड़ी मामले में 15 ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता डॉक्टर हत्या मामले में जांच की जिम्मेदारी सीबाआई के हाथों में आने के बाद पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टर्स ने थोड़ी राहत की सांस ली। आरजी कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के मामला भी सामने आया है। इसी सिलसिले में आज सीबीआई की टीम एक्शन में आती हुई नजर आ रही है, जहां टीम ने रविवार को कोलकाता में छापेमारी की है। सीबीआई ने कोलकाता में आरजी कर अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं के मामले को लेकर कुल 15 जगहों पर छापेमारी की है। इसके साथ ही सीबीआई की टीम ने आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर पहुंकर उनसे पूछताछ भी की है। बता दें कि सीबीआई ने कल यानी शनिवार को ही इस मामले में संदीप घोष के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की है।

कर्मचारियों के घर पहुंच रही सीबीआई

मिली जानकारी के अनुसार रविवार को सीबीआई संदीप घोष के घर के अलावा सीबीआई की एक टीम आरजी कर अस्पताल के फोरेंसिक विभाग के डॉ। देबाशीष सोम के घर भी पहुंची है। देबाशीष सोम संदीप घोष के बेहद करीबी हैं। देबाशीष का घर कोलकाता के केस्टोपुर में है। आरजी कर अस्पताल में भ्रष्टाचार मामले की जांच के लिए सीबीआई की टीम पहुंची है।

सीबीआई का एक्शन

ट्रेनी डॉक्टर हत्या मामले में रविवार को सीबीआई की एक्शन की बात करें तो सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई की टीम आरोपी संदीप घोष, अस्पताल के फॉरेंसिक विभाग के डॉ देबाशीष और कोलकाता में कई जुड़े लोगों के घर पर छापेमारी कर रही है। जिन जगहों पर छापेमारी की गई है, उनमें अस्पताल से जुड़ी फर्म भी शामिल हैं। कुल मिलाकर सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक टीम 15 जगहों पर छापेमारी कर रही है।

बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी जन सुराज

प्रशांत किशोर बोले- 40 सीटों पर उतारेंगे महिला उम्मीदवार

एजेंसी । पटना

जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने पटना के बापू सभागार में जन सुराज से जुड़ी महिलाओं की राज्य स्तरीय बैठक में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जिसमें से कम से कम 40 सीटों पर महिला उम्मीदवार उतारी जाएंगी। इतना ही नहीं 2030 में जो चुनाव होंगे उसमें महिलाओं की संख्या और बढ़ाई जाएगी। बता दें कि 2 अक्टूबर को जनसुराज पार्टी के गठन का ऐलान किया जाना है।

40 महिलाओं को विधानसभा पहुंचाने का लक्ष्य

प्रशांत ने कहा कि जब तक महिलाओं को आर्थिक आजादी नहीं मिलेगी समाज में समानता के आधार पर उनकी भागीदारी संभव नहीं है। ऐसे में चालीस महिलाओं को विधानसभा पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि महिला संवाद में ये प्रस्ताव भी पारित किया गए है कि महिलाओं को सरकारी गारंटी पर व्यवसाय के लिए चार फीसदी ब्याज पर लोन मिले।

15 हजार से अधिक महिलाएं हुई शामिल

पटना के बापू सभागार में आयोजित इस सम्मेलन में राज्य भर से 15 हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। जिसमें प्रशांत किशोर की मौजूदगी में राजनीति में महिलाओं की भागीदारी और महिलाओं से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। इससे पहले प्रशांत किशोर ये भी ऐलान कर चुके हैं कि जब बिहार में जनसुराज की सरकार बनेगी तो 10-20 हजार की नौकरी के लिए बिहारियों को पलायन नहीं करना पड़ेगा उन्हें बिहार में ही रोजगार मिलेगा।

गांव-गांव घूम रहे प्रशांत किशोर

प्रशांत किशोर बिहार में लगातार गांव-गांव घूम रहे हैं और लोगों से बिहार की बदहाली पर बात कर रहे हैं। प्रशांत किशोर दावा कर रहे हैं कि उनको मौका दिया जाएगा तो बिहार को वो देश के सबसे बेहतर राज्यों में एक बना देंगे। प्रशांत किशोर ने ऐलान किया है कि जन सुराज बिहार के 243 सीटों पर अपना उम्मीदवार उतारेगा।

हिजबुल्लाह ने इजरायली सैन्य ठिकानों पर 300 से ज्यादा मिसाइलें दागी, बढ़ा टेंशन

एजेंसी । लेबनान

लेबनानी चरमपंथी समूह हिजबुल्ला ने इजराइल की टेंशन बढ़ा दी है। रविवार सुबह उसने जानकारी दी कि बेरूत में उसके एक कमांडर की हत्या का बदला लेने के लिए बड़ी संख्या में ड्रोन दागकर इजराइल पर हमला उसकी ओर से किया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि यह हमला इजराइल के सैन्य ठिकानों को बनाकर किया गया है। इसके बारे में जानकारी बाद में दी जाएगी। दुश्मन के कई स्थलों एवं बैरकों के अलावा 'आयरन डोम' को टारगेट किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह ने इजरायली सैन्य ठिकानों पर 300 से ज्यादा मिसाइलें दागी हैं।

'बदला लेने के लिए किए गए हैं हमले'

हिजबुल्ला ने कहा कि हमले हमारी ओर से बदला लेने के लिए किए गए हैं। पिछले महीने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों में हुए हमले में ग्रुप के शीर्ष कमांडर फौद शुकूर की हत्या कर दी गई थी। इसका जवाब हमने दिया है। इससे पहले, इजराइली सेना ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले किए जाने के बारे में जानकारी दी थी और कहा था- चरमपंथी समूह, इजराइल पर हमले की तैयारी कर रहा है।

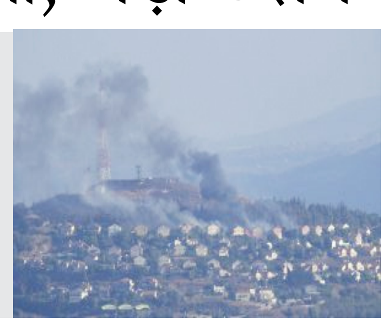

इजराइली सेना ने क्या कहा?

इजराइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने घरेलू मोर्चे पर विशेष स्थिति की घोषणा की जिससे साफ है कि हिजबुल्ला के हमले के बाद इजराइल की टेंशन बढ़ गई है। इससे पहले खबर आई कि इजराइल ने शिया मिलिशिया हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाया और रविवार तड़के लेबनान में हवाई हमले किए। उसने हिजबुल्ला पर इजराइली क्षेत्र की ओर मिसाइल और रॉकेट दागने की तैयारी करने का आरोप लगाया और हमले किए।

क्यों गुस्से में है हिजबुल्ला

इजराइली हमले में हिजबुल्ला के एक शीर्ष कमांडर की मौत और ईरान में संदिग्ध इजराइली हमले में हमास नेता इस्माइल हनिया की मौत के बाद से हिजबुल्ला के सिर पर बदले का भूत सवार है। इसके बाद से गाजा पट्टी में जारी इजराइल-हमास युद्ध क्षेत्रीय संघर्ष में बदलने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

नई पेंशन स्कीम को लेकर कांग्रेस का केंद्र पर हमला

कहा- UPS में U का मतलब मोदी सरकार का यू-टर्न

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की पेंशन पर फैसले की सभी सराहना कर रहे हैं। लेकिन मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसको लेकर मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यूनीफाइड पेंशन योजना को मोदी सरकर का यू-टर्न बताया।

'यूपीएस में 'यू' का मतलब है मोदी सरकार का यू टर्न'

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नई पेंशन योजना को लेकर एक्स पर पोस्ट डाला। जिसमें उन्होंने मोदी सरकार पर तंज कसते हुए कहा, UPS में U का मतलब है मोदी सरकार का यू टर्न! उन्होंने आगे लिखा, 4 जून के बाद, प्रधानमंत्री के सत्ता के अहंकार पर जनता की ताकत हावी हो गई है। उन्होंने एक-एक प्वाइंट में बताया कि मोदी सरकार ने कहां-कहां यू-टर्न लिया है।
- लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन/इंडेक्सेशन के संबंध में बजट में रोलबैक
- वक्फ बिल को जेपीसी को भेजना
- ब्रॉडकास्ट बिल को वापस लेना
- लेटरल एंट्री को वापस लेना

खरगे ने अपने पोस्ट के आखिर में लिखा, हम जवाबदेही सुनिश्चित करते रहेंगे और 140 करोड़ भारतीयों को इस निरंकुश सरकार से बचाएंगे!

न्यूनतम सेवा अवधि हो 25 वर्ष

UPS के तहत सरकारी कर्मचारी अब सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में पाने के हकदार होंगे। पेंशन के रूप में वेतन का 50 प्रतिशत पाने के लिए न्यूनतम सेवा अवधि 25 वर्ष होनी चाहिए। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा नई पेंशन स्कीम की घोषणा करते हुए बताया था, नयी पेंशन योजना न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्ति पर 10,000 रुपए प्रति माह की न्यूनतम पेंशन की गारंटी भी देती है।

'4 प्रतिशत लोग 96% की तकदीर का फैसला करते हैं...'

जनगणना के मुद्दे पर RJD सांसद मनोज झा ने उठाए कई सवाल

एजेंसी । पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद भारत में जनगणना का मुद्दा फिर एकबार गरमा गया है। भारत में जनगणना कब कराया जाएगा, इसे लेकर अब बयानबाजी शुरू हो गयी है। बिहार में राजद (RJD) की तरफ से भी इसपर प्रतिक्रिया आयी है। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने केंद्र सरकार को जनगणना के मुद्दे पर घेरा है। उन्होंने लंबे समय से जनगणना रोके जाने और जातीय गणना के मुद्दे पर एनडीए सरकार पर निशाना साधा है। मनोज झा ने इस दौरान कई मुद्दों को उठाया और किस जाति की कितनी हिस्सेदारी है, इसे लेकर भी सवाल खड़े किए।

गृह मंत्री ने क्या बयान दिया?

गृह मंत्री अमित शाह ने हाल में मीडिया से बातचीत के दौरान जनगणना के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जनगणना उचित समय पर करेंगे और जब तय करेंगे तो मैं घोषणा भी करूंगा कि ये कैसे होगा और कब होगा। वहीं गृह मंत्री की इस प्रतिक्रिया के बाद सियासी दलों की ओर से भी बयानबाजी शुरू हो गयी। राजद प्रवक्ता सह सांसद मनोज झा ने कहा कि 2021 के बाद जनगणना ही नहीं हुई। इस देश में ये पहली बार हुआ है कि इतने लंबे समय से जनगणना को रोका गया हो।

मनोज झा की प्रतिक्रिया

राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि आखिर जनगणना क्यों नहीं हुआ है। हमें शक होता है और चिंता होती है। इतना विशाल देश है जहां बड़ी से बड़ी आपदा और मुश्किल दौर में जनगणना नहीं होगी। वहीं मनोज झा ने जातीय गणना को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इसमें भी कोई रॉकेट साइंस नहीं है।

मनोज झा ने जातीय गणना की मांग कर क्या कुछ कहा?

मनोज झा ने देश भर में जातीय गणना कराने की वकालत करते हुए कहा कि केवल एक कॉलम मात्र रखना है। जिसके माध्यम से सारी हकीकत सामने आ जाएगी। कौन कहां लगातार बैठा हुआ है और किसके बैठने की जगह नहीं है। ये पता चल जाएगा। अगर हम ये हासिल नहीं करना चाहते हैं तो बेशक हम उसी व्यवस्था को बनाए रखना चाहते हैं जहां ढाई, तीन, चार प्रतिशत लोग 96 प्रतिशत लोगों के तकदीर का फैसला करती है।

राजस्थान हाईकोर्ट के संग्रहालय का वर्चुअल उद्घाटन

राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में पहुंचे पीएम

एजेंसी । जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए रविवार को जोधपुर पहुंचे। पीएम का विशेष प्लेन जोधपुर सैन्य एयर बेस पर करीब 4 बजे पहुंचा। यहां भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पीएम की अगवानी की। इसके बाद पीएम राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम के लिए रवाना हुए। राजस्थान हाईकोर्ट का प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम शाम 4:30 बजे पर शुरू हुआ। पीएम मोदी ने राजस्थान हाईकोर्ट के संग्रहालय का वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम ने संबोधन की शुरुआत की।

PM Modi के संबोधन की 10 बड़ी बातें

1. पीएम ने यहां 10 मिनट देरी से पहुंचने पर खेद व्यक्त किया, कहा-महाराष्ट्र से निकला और वेदर के कारण समय से नहीं पहुंच पाया।
2. पीएम ने कहा- राष्ट्रीय एकता हमारे ज्युडिशियल सिस्टम का फाउंडेशन स्टोन है। प्रक्रियाएं उसे मुश्किल बना देती है , न्याय को ज्यादा सरल बनाएं।
3. देश ने इस दिशा में कई ऐतिहासिक और निर्णायक कदम उठाए हैं। अप्रांसगिक कानूनों को रद्द किया है।
4. इंडियन पीनल कोड की जगह 'भारतीय न्याय संहिता' को एडोप्ट किया है। दंड की जगह न्याय यह भारतीय चिंतन का आधार है।
5. नए भारत के हिसाब से नए इनोवेशन करें और अपनी व्यवस्थाओं को आधुनिक बनाएं। टेक्नोलॉजी बड़ा रोल निभा रही है। देश में 18 हजार से ज्यादा कोर्ट कम्प्युटराइज हो गई है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड से 26 करोड़ से ज्यादा मुकदमों की जानकारी उपलब्ध है। जस्टिस फॉर ऑल भी उतना ही जरूरी है।
6. देशभर की 1200 से ज्यादा जेल वीडियो कॉन्फ्रेंस से जुड़ी है, इसको लेकर राजस्थान भी तेज गति से काम कर रहा है। ई फाइल, समन के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म, यह सामान्य बदलाव नहीं है। कोर्ट के आगे चक्कर शब्द मैंडेटरी हो गया था – यानि एक ऐसा चक्कर जिसमें फंस गए कब निकलेंगे पता नहीं। दशकों बाद उस चक्कर को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। न्याय को लेकर नई उम्मीद जगी है। इस उम्मीद को बनाए रखना है। लगातार रिफॉर्म करते चलना है।
7. पीएम ने मीडिएशन की सदियों पुरानी परम्परा का जिक्र किया। कहा – ऑल्टरनेटिव डिस्प्युट मैकेनिज्म बहुत कारगर है, ईज ऑफ जस्टिस को बढ़ावा देगी। सरकार ने कई कदम उठाए हैं।
8. हमारी न्याय पालिका ने राष्ट्रीय विषयों पर सक्रिय भागीदारी निभाई है। आर्टिकल 370 और सीएए जैसे मानवीय कानूनों का उदाहरण हमारे सामने हैं।
9. 21 वीं सदी के भारत को आगे ले जाने में इंटीग्रेशन शब्द महत्वपूर्ण है। डेटा, ट्रांसपोर्ट, हेल्थ का इंटीग्रेशन। जो आईटी सिस्टम अलग-अलग काम कर रहे हैं उनका इंटीग्रेशन हो।
10. स्थानीय भाषा में जजमेंट मिल सके इस पर काम चल रहा है, सुप्रीम कोर्ट के मार्गदर्शन में यह पहल हुई है। एक जजमेंट 18 भाषाओं में ट्रांसलेट हो सकता है। सरल, सहज और सुलभ न्याय की गारंटी हो।

'पति फ्रेंच फ्राई नहीं खाने दे रहा मीलॉर्ड, कुछ कीजिए'

शिकायत लेकर हाई कोर्ट पहुंची पत्नी, जज ने दिया जवाब

एजेंसी । कोलकाता

पति-पत्नी के बीच झगड़े होना एक सामान्य घटना है, लेकिन कभी-कभी ये झगड़े इतनी गंभीर स्थिति में पहुंच सकते हैं कि मामला पुलिस स्टेशनों तक जा पहुंचता है। आमतौर पर इन प्रकार के मामलों में बड़ी और गंभीर वजहें होती हैं जिनके चलते लोग कानून की शरण में जाते हैं। हालांकि, हाल ही में एक अजीबो-गरीब घटना सामने आई है, जिसमें एक मामूली और लगभग हास्यास्पद कारण की वजह से पत्नी ने पति की शिकायत लेकर कर्नाटक हाई कोर्ट की दहलीज पर कदम रखा।

घरेलू हिंसा के तहत शिकायत दर्ज

हाल ही में बंगलूरू में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है जिसने कानूनी जगत को भी चौंका दिया है। यहां एक महिला ने अपने पति के खिलाफ घरेलू हिंसा के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, लेकिन इसके पीछे का कारण काफी असामान्य है। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने उसे फ्रेंच फ्राइज खाने की अनुमति नहीं दी।